रूपा की बस की मस्ती

Author : aarti_34c_4u
Transliteration to Hindi Fonts By : SINSEX

बस भीड़ से एकदम पैक थी। पैसेंजर एक दूसरे के बदन से एकदम सटे थे। किसी को भी हिलने की जगह नहीं थी। रूपा भी उस भीड़ में बुरी तरह फंसी थी। उसकी सहेली ने उसे बुलाया था। पति घर ना होने से वो आज अपनी सहेली के पास जाने निकली थी। जब भी उसे या उसकी सहेली को ऐसा समय मिलता तो वो एक दूसरे के घर एक रात आती–जाती थी जिससे उनका समय पास हो। सहेली ने नया फ्लैट लिया था और आज पहली बार वो अपनी सहेली के नये घर जा रही थी। दिखने में रूपा अपने नाम के मुताबिक रुपवती थी और उसकी फिगर भी एकदम मस्त थी। आज ४२ की होने के बाद और शादी के इक्किस साल के बाद भी वो एकदम ३०–३२ की लग रही थी। आम तौर पे गुजराती औरत शादी और बच्चे होने के बाद मोटी हो जाती है पर रूपा ने अपनी सेहयत का काफी ध्यान रखते हुए ज़रा भी चर्बी चड़ने नहीं दी अपने जिस्म पे। उसकी ५'४" की लंबाई पे ३६–२८–३६ का जिस्म बहुत अच्छा दिखता था। कंधों तक बाल, टाइट कसी साड़ी और हल्का सा मेक–अप उसे भीड़ में अलग दिखाता था। रूपा के जिस्म का सबसे आकर्षक हिस्सा था उसकी गाँड। जब वो ऊँची ऐड़ी की सैंडल पहन कर चलती तो उसकी वो गाँड ठुमकती थी। टाइट गाँड होने से ठुमकने में एक मदहोशी थी। टाइट साड़ी और ऊँची ऐड़ी की सैंडल पहनने से उसकी वो गाँड और नज़र में भरती। आज रूपा ने एक क्रीम कलर की कॉटन की साड़ी पहनी थी। क्रीम ब्लाऊज़ और सिर्फ़ मंगलसूत्र था। पैरों में गहरे ब्राऊन कलर के चार इंच ऊँची ऐड़ी की सैंडल थे। भीड़ की वजह से पसीना चू रहा था और वो कॉटन की साड़ी पसीने से कमर और पेट पे चिपकी थी। पसीने से ब्लाऊज़ भी तरबतर होने से उसमें से रूपा की ब्रा दिखायी दे रही थी। ऊपर हैंडल पकड़ने से उसके ब्लाऊज़ के अंदर की ब्लैक ब्रा और उनमें दबे मम्मों की रूपरेखा साफ़ दिखायी दे रही थी।

सिटी बस में १–२ ही लाईट जल रही थी। उस भीड़ में बाकी मर्दों में असलम भी था और इत्तफ़ाक से वो एकदम रूपा के पीछे खड़ा था। असलम एक ३०–३५ साल का मर्द था। भीड़ में छेड़–छाड़ करने का उसका कोई इरादा ना था पर बार–बार पीछे के

Hindi Fonts By SINSEX

HINDI FONTS BY: SINSEX

धक्कों से वो आगे वाली औरत से टकरा जाता था। उस औरत ने जब १-२ बार मुड़ के ज़रा नाराज़गी से उसे देखा तो उसने सोचा कि मैं जानबूझ के कुछ नहीं कर रहा तो भी ये औरत क्यों बिगड़ रही है मुझ पे? वो उस औरत को पीछे से देखने लगा। उस औरत की टाइट साड़ी में लिपटी गाँड, पसीने से गीली कमर, ब्लाऊज़ से दिख रही ब्रा और बगलों से दिखते ब्रा में छिपे गोल मम्मे देख के उसकी पैंट में हलचल होने लगी। असलम ने सोचा कि कुछ किया नहीं तो भी ये औरत नाराज़गी दिखा रही है तो कुछ करके इसकी नाराज़गी लेना अच्छा है। यही सोचते हुए असलम ने पीछे खड़े होते हुए हल्के से उस औरत की गाँड को छूते हुए खुद बोला, "उफ्फ साली कितनी भीड़ और गर्मी है, कितने लोग भरे हैं बस में... और ये बस भी कितनी धीरे चल रही है।"

इस बार गुस्सा होने के बजाय रूपा को लगा जैसे उसकी ही गलती है और वो थोड़ी शिष्टाचार के लिये मुस्कुराते हुए बोली, "ओह आय एम सॉरी, भीड़ की वजह से मैंने आपको गुस्से से देखा।" उस औरत की बात सुन के असलम ने भी कहा, "नहीं-नहीं कोई बात नहीं, पर खड़े रहने तक की जगह नहीं है इस भीड़ में।" इतने में पीछे से भीड़ ने फिर धक्का मारा और असलम पीछे से रूपा के जिस्म से पूरा चिपक गया। असलम भीड़ को पीछे धक्का देते हुए बोला, "सॉरी मैडम लेकिन क्या करूँ? पीछे से इतनी भीड़ का धक्का आता है और आपसे टकरा जाता हूँ, आय एम सॉरी।" रूपा समझी कि असलम सच कह रहा है, इसलिये वो भी बेबस हो कर मुस्कुराते हुए कुछ नहीं बोली।

Hindi Fonts By: SINSEX

असलम को पीछे से उस औरत के पसीने से गीले ब्लाऊज़ से उसकी ब्लैक ब्रा दिखायी दी। पूरा पसीना पीठ पे था, पसीने की बूँदें बालों से टपक के पीछे और आगे से ब्लाऊज़ गीला कर रही थी। सहारे के लिये हाथ ऊपर होने से उसकी चूंची दिख रही थी। अब असलम ज़रा बिंदास होकर उस औरत के पीछे चिपक के गर्म साँसें उसकी गर्दन पे छोड़ने लगा। रूपा उस आदमी की साँसों से और उसके तने हुए लंड का स्पर्श अपनी गाँड पे महसूस करके मचली ज़रूर, पर पीछे मुड़ के उसकी और नाराज़गी से देखते हुए अपनी अप्रसन्नता जतायी कि उसकी हरकतें उसे पसंद नहीं। असलम ने उसकी नज़र को पढ़ा पर ध्यान ना देते हुए, पीछे से उसे और दबाके अपना हाथ हल्के से उसके पसीने से गीले नंगे पेट पे रखते हुए बोला, "साला कितनी आबादी बढ़ गयी है देश की, ठीक से सफ़र भी नहीं कर सकते। ना जाने लोगों को इतने बच्चे पैदा करने

HINDI FONTS BY: SINSEX

का समय कैसे मिलता है।"

अपने पेट पे उस आदमी का हाथ पाके रूपा को कैसा तो लगा। उस मर्द का हाथ हटाने की उसके पास जगह भी नहीं थी इसलिये वो थोड़ा आगे होते हुए हल्की आवाज़ में बोली, "देश की आबादी और लोग क्या–क्या करते हैं... ये जाने दो आप! आप थोड़े पीछे खड़े रहो।" अब असलम पीछे हटने वाला नहीं था। वो भी थोड़ा आगे खिसकते हुए फिर उसके पसीने से गीले पेट को अँगूली से मसलते हुए बोला, "अरे भाभी कैसे पीछे जाऊँ, देखो पीछे कितनी भीड़ है, आप तो सिर्फ़ पीछे से दब रही हो, मैं तो आगे आपसे और पीछे भीड़ से दबा हूँ... बोलो क्या करूँ?" रूपा पीछे हो कर थोड़ा उस आदमी के नज़दीक आके उसके पैर पे अपना ऊँची ऐड़ी का सैंडल रख के दबे होंठों से बोली, "अपना हाथ हटाओ।" जैसे उसने कुछ सुन ही नहीं हो, असलम अपना हाथ और रगड़ के पीछे से उससे चिपकते हुए बोला, "यार सबको क्या इसी बस से आना था! भाभी सॉरी... आपको तकलीफ हो रही है पर क्या करूँ?" फिर हल्की आवाज़ में रूपा के कान के पास आके असलम बोला, "अरे भीड़ है तो ये सब चलता है।" उस आदमी की बात से रूपा समझ गयी कि ये भीड़ का पूरा फायदा लेने वाला है और अब वो पीछे हटने वाला नहीं। इसलिये जैसे तैसे करके अपने आपको अराम देने की कोशिश करते हुए वो बोली, "कबीर मोहल्ला और कितनी दूर है पता नहीं, ये बस भी कैसे धीरे चल रही है। इससे तो अच्छा होता कि मैं रिक्शा ले लेती तो इस भीड़ से तो नहीं जाना पड़ता।"

Hindi Fonts By: SINSEX

असलम ने सोचा कि इज़्ज़त की वजह से ये औरत कुछ नहीं बोल सकेगी। अपने हाथ से उसका पेट मसलते हुए, गर्म साँसें गर्दन पे छोड़ते हुए और गाँड पे हल्के से लंड रगड़ते हुए वो बोला, "कबीर मोहल्ला अब २० मिनट में आयेगा, भाभीजी! आपका तो फिर भी ठीक है... मुझे तो रहमान नगर जाना है, आपके स्टॉप से ३० मिनट आगे। आपके उतरने के बाद मुझे आधा घंटा इस भीड़ में आपके बिना गुजारना है।" रूपा को भी पूरा एहसास हुआ कि वो आदमी इस भीड़ का फायदा उठा रहा है और वो कुछ नहीं कह सकती। बेबस हो कर अब कोई विरोध किये बिना अपना जिस्म ढीला छोड़ते हुए वो बोली, "वैसे ये कबीर मोहल्ला इलाका कैसा है? वहाँ से मुझे राम टेकरी जाना है।" असलम अब बिंदास उस औरत को मसल रहा था। उस औरत की नाभी में अँगुली डालते हुए वो बोला, "मोहल्ला तो अच्छा है लेकिन लोग हरामी हैं। ज़रा संभल के

HINDI FONTS BY: SINSEX

HINDI FONTS BY: SINSEX

जाना, बहुत गुंडे रहते हैं वहाँ, खूब छेड़ते हैं लड़कियों और औरतों को... अपने रिक्शा से ही जाना ठीक था।" हाथ अब उसके बूब्स के नीचे तक लाके और १–२ बार उसकी गर्दन हल्के से चूमते हुए असलम आगे बोला, "भाभी तुम आरम से खड़ी रहो... पीछे भीड़ बढ़ भी गयी तो तुमको तकलीफ नहीं होने दूँगा। तुम्हारा नाम क्या है भाभी, मैं असलम हूँ।"

रूपा के पास अब आगे जाने की जगह नहीं थी इसलिये वो अब असलम की हरकतों का मज़ा लते हुए कोई विरोध नहीं कर रही थी। पर वो एक बात का खयाल रख रही थी कि कोई ये देखे नहीं। इसलिये जब असलम ने उसकी नाभी में अँगूली डाली तो उसने सहारे का हाथ निकाल के अपना पल्लू पूरा सीने पे ओढ़ते हुए कहा, "ओह थैंक यू। मेरा नाम रूपा शाह है। राम टेकरी जाने का कोई दूसरा रास्ता है क्या? आप मुझे पहुँचायेंगे वहाँ? आप साथ रहेंगे तो वो गुंडे मुझे तंग भी नहीं करेंगे।" इशारे से रूपा असलम को अपने साथ आने के लिये बोल रही थी... ये असलम समझ गया और रूपा के पल्लू ओढ़ने से ये भी समझ गया कि ये औरत मस्ती चाहती है। वो समझा कि ये साली गुजराती रूपाबेन को मज़ा आ रहा है, कुछ बोल ही नहीं रही है, देखें कब तक विरोध नहीं करती। असलम ने पल्लू के नीचे से अपना हाथ रूपा के मम्मों पे रखते हुए कहा, "दूसरा रास्ता बड़ा दूर का है भाभी, तुम चाहो तो मैं छोड़ूंगा तुमको राम टेकरी, में मर्द हूँ, मेरे साथ कबीर मोहल्ले से आओगी तो कोई नहीं छेड़ेगा तुमको। तेरे लिये इतना तो ज़रूर करूँगा मैं रूपा।" इस भीड़ में अपने मम्मों पे हाथ पाके रूपा ज़रा घबड़ा गयी और सिर पीछे करके दबे होंठों से असलम से बोली, "शुक्रिया असलम... पर तेरा इरादा क्या है? भीड़ का इतना भी फायदा लेने का... ऐसे? मैं कुछ बोलती नहीं... इसलिये ये मत समझो कि मुझे कुछ पता नहीं है, पहले पीछे से सट गये मुझसे, फिर पेट रगड़ा और अब सीने तक पहुँच गये। इरादा क्या है बता तो सही?"

असलम ने मुस्कुराते हुए कहा, "ऐसा ही कुछ समझो रूपा, अब तुम लग रही हो इतनी मस्त कि रहा नहीं गया... पहले दिल में कुछ नहीं था पर छूने के बाद अब सब करने का इरादा है, अब तक पिछवाड़ा और पेट सहलाते हुए हाथ अब सीने तक पहुँचा है पर अभी नीचे जाना बाकी है, बोल तेरा इरादा क्या है? तू भी तो मज़ा ले रही है, बोल तू क्या चाहती है?" असलम का हाथ अब रूपा के ब्लाऊज़ के हुक पे आ गया। रूपा समझी कि असलम ब्लाऊज़ खोलना चाहता है, इसलिये उसने झट से मुड़ कर

HINDI FONTS BY: SINSEX

असलम का हाथ वहाँ से खिसका दिया पर ऐसा करने से असलम का हाथ उसके पूरे कड़क मम्मों को छू गया। असलम को देखते हुए उसने कहा, "हुम्म छोड़ो उसे, जहाँ जितना करना है उतना ही करना। तुम लोगों कि यही तकलीफ़ है, थोड़ी ढील दी कि पूरा हाथ पकड़ लेते हो। ये लो मेरा स्टैंड आया। तुम चलते हो क्या मेरे साथ... मुझे राम टेकरी छोड़ने असलम?" रूपा ने आखिरी शब्द आँख मारते हुए कहे। असलम रूपा के हाथ को पकड़ के बोला, "अब तेरी जैसी गरम माल मिले तो रहा नहीं जाता, इसलिये तेरा ब्लाऊज़ खोलने लगा था। तेरे साथ आऊँगा रूपा लेकिन मेरे वक्त की क्या कीमत देगी तू?" असलम ने रूपा का हाथ कुछ ऐसे पकड़ा कि वो हाथ उसके लंड तो छू गया।

लंड को छूने से रूपा ज़रा चमकी। वो अब चाहने लगी थी कि इस मर्द के साथ थोड़ा वक्त बिताऊँ। वो भी गर्म हो गयी थी। मुस्कुरा कर वो बोली, "अरे पहले बस से उतर तो सही, मुझे ठीक से पहुँचाया तो अच्छी कीमत दूँगी तेरे वक्त की। देख बस रुकेगी अब... मैं उतर रही हूँ... तुझे कुछ चाहिये इससे ज्यादा तो तू भी उतर नीचे मेरे साथ।" रूपा का स्टॉप आया और वो झट से आगे जाके बस से उतरने लगी। रूपा का जवाब सुन के असलम खुश हो कर उसके पीछे उतरा और ज़रा आगे तक दोनों साथ-साथ चलने लगे।

Hindi Fonts By: SINSEX

असलम रूपा को लेके चलने लगा। रूपा ने जानबूझ के अपना पल्लू ऐसे रखा जिससे असलम को बगल से उसके मम्मों का तगड़ा नज़ारा दिखे और उसके मम्मों के बीच की गली साफ़ दिखायी दे। आगे काफी सुनसान गली में पूरा अंधेरा था। असलम रूपा की कमर में हाथ डालके कमर मसलते हुए बोला, "राम टेकरी में इतनी रात क्या काम है तेरा? किसको मिलने जा रही है तू इतनी रात रूपा।" घबड़ाते हुए रूपा असलम का हाथ कमर से हटाते हुए बोली, "असलम हाथ हटा कमर से, पता नहीं चलता यहाँ रासते में कितने लोग आते जाते हैं। मैं राम टेकरी अपनी सहेली के घर जा रही हूँ।" असलम ने हाथ फिर रूपा की कमर में डाल के उसे अपने से सटते हुए कहा, "रूपा जैसा अच्छा तेरा नाम है वैसा अच्छा तेरा रूप है। सुन रूपा इस अंधेरे में किसी को कुछ नहीं दिखता, वैसे भी इस वक्त कोई भी आता जाता नहीं यहाँ से... इसलिये तो डरना नहीं बिल्कुल।" ये कहते हुए असलम अपने दूसरे हाथ को रूपा के नंगे पेट पे रखते हुए बोला, "इस वक्त सहेली के घर क्या काम निकाला तूने?"

किसी के देखने के डर से रूपा जल्दी-जल्दी असलम के आगे चलते हुए सड़क से ज़रा उतर के सुनसान जगह में एक पेड़ के पीछे जाके खड़ी हो गयी। तेज़ चलने से उसकी साँसें तेज़ हो गयी थीं जिससे उसका सीना ऊपर नीचे हो रहा था और पल्लू तकरीबन पूरा-पूरा ढल गया था। जैसे ही असलम उसके सामने आया तो वो बोली, "उफ्फ ओहह, तुम क्या कर रहे थे सड़क पे ऐसे? कोई देखेगा तो क्या सोचेगा? आज मेरी सहेली ने मुझे उसके नये घर बुलाया था, इसलिये मैं उसके घर जा रही हूँ।" असलम रूपा के सामने खड़ा हो कर रूपा का बिना पल्लू का उछलता हुआ सीना देखते हुए एक हाथ से ब्लाऊज़ पर से मम्मे मसलते हुए और दूसरे हाथ से उसका पेट सहलाता हुआ बोला, "यहाँ कौन देखने आता है कि कौन मर्द कौनसी औरत के साथ क्या कर रहा है? अब वैसे भी कोई हमें देखे तो क्या होगा? वो भी वही करेगा जो मैं कर रहा हूँ तेरे साथ, है ना? य तो ये सोचेगा कि हम मियाँ बीवी हैं और घर में मस्ती करने को नहीं मिलती... इसलिये यहाँ आये हैं जवानी का मज़ा लने।" रूपा अब कोई भी ऐतराज़ किये बिना असलम को अपने जिस्म को मसलने देते हुए बोली, "हाय रब्बा कितना बेशरम है तू, बाप रे कैसी गंदी बात करता है? हम पति पत्नी तो बच्चों के सोने के बाद ही करते हैं ये सब... अगर बहुत रात हो जाये तो खेलते भी नहीं ये खेल कईं दिनों तक।"

Hindi Fonts By:
SINSEX

रूपा का ढला पल्लू किनारे हटा के असलम झुकके उसके मम्मों के बीच में मुँह से मसलते और ब्लाऊज़ से मम्मों को हल्के से काटते हुए बोला, "अब तेरी जैसी गर्म औरत इतनी बिंदास होगी तो शर्म क्यों जान? बस में भी कितनी मस्ती से मसलवा रही थी जान... वैसे रात को देर हो जाये तो मस्ती नहीं करता तेरा पति तो तुझे बुरा नहीं लगता रूपा?" जब असलम झुकके उसके मम्मों को चूमने लगा तो रूपा अपने सीने को और ऊँचा उठा के उसके मुँह पे दबाते हुए बोली, "उम्म्म्म मैं बिंदास लगी तुझे... वो कैसे ये तो पता नहीं... बस में ऐतराज़ करती तो मेरी ही बे-इज़्ज़ती होती ना?"

रूपा की चूचियाँ जीभ से चाटते हुए असलम रूपा की साड़ी पेटिकोट से निकालने लगा। रूपा का ज्यादा से ज्यादा क्लीवेज चाटते हुए असलम ने अपना मुँह रूपा के ब्लाऊज़ में घुसाया जिससे रूपा के ब्लाऊज़ का एक हुक टूट गया और रूपा का ज्यादा क्लीवेज नंगा हो गया। मम्मों को नीचे से ऊपर दबाते हुए असलम रूपा का सीना

HINDI FONTS BY: SINSEX

चाटते हुए बोला, "वैसे जान...! माना कि बस में ऐतराज़ करती तो तेरी बे–इज़्ज़ती होती... पर ये सच बता कि क्या तुझे ऐतराज़ करना था जब मैं तेरे जिस्म से खेल रहा था बस में?"

असलम साड़ी निकालने लगा तो रूपा उसे थोड़ा दूर करके अपने साड़ी पकड़ती हुई बोली, "अरे इतनी जल्दी क्या है जो विराने में तू सीधे पेटिकोट पे आ गया? पहले अच्छे से गरम तो कर। उफ्फ देख तूने मेरा हुक तोड़ दिया... अब मैं क्या करूँ? असलम बस में तुझसे अगर ऐतराज़ करना होता तो तुझे इतना खेलने देती क्या मैं? मेरा पति रात को आके देखता है कि लड़कियाँ सोयी नहीं तो बिना कुछ किये जाके सीधे खर्राटे लगाने लगता है।" असलम अपनी जीभ रूपा के क्लीवेज पे घुमाके पेटिकोट के नीचे हाथ डाल के एक हाथ से उसकी नंगी टाँगें सहलाते हुए और दूसरे हाथ से मम्मे ज़रा ज़ोर से मसलते हुए बोला, "जल्दी तो नहीं रानी, बस तेरा गर्म और गोरा जिस्म नंगा देखने की ख्वाहिश है और कुछ नहीं। अरे हुक टूटा तो क्या हुआ? जब यहाँ से जायेगी तो क्या पल्लू नहीं लेगी सीने पे जान तू? उम्म बड़ा गर्म माल है तू। मुझे ये समझ में नहीं आता कि ऊपर वाला तेरी जैसी गर्म माल को इतना ठंडा पति क्यों देता है। या शादी को इतने साल हो गये... इसलिये पति को दिलचस्पी नहीं रहती अपनी सैक्सी बीवी में।"

Hindi Fonts By: SINSEX

रूपा अपना सीना और तान के असलम का सिर पकड़ के अपने मम्मों पे दबाते हुए बोली, "अरे अब तेरे पास हूँ तो नंगी करेगा ही ना, इतनी जल्दबाज़ी मत कर, या तूने किसी और को समय दे रखा है? अरे पल्लू तो डालूँगी पर उसके नीचे से खुला हुक लोगों को मुफ़्त का तमाशा दिखायेगा... उसका क्या? रहा मेरी किस्मत का सवाल तो तू तो ऐसे बोल रहा है कि हर खूबसूरत औरत का पति ऐसा होता है। असल में मेरा पति काम की वजह से थकता है नहीं तो दो बच्चे कैसे पैदा करती मैं उसके साथ? आहह सुन इतना बेरहम मत बन, आराम से हौले–हौले मसल मेरा सीना।"

आधी खुली साड़ी, घुटनों तक ऊपर आये पेटिकोट और हुक टूटे ब्लाऊज़ में रूपा को एक बार देख के असलम उसे नीचे बिठा के उसकी गोद में सिर रख के लेटते हुए और हल्के–हल्के उसके मम्मे मसलते हुए बोला, "मैंने किसी को समय नहीं दिया जान... पर सोचा तुझे जल्दी होगी जाने की, वैसे जल्दी नहीं होगी तो रात भर रखुँगा तुझे। तेरी

HINDI FONTS BY: SINSEX

HINDI FONTS BY: SINSEX

जैसी गर्म औरत का सीना हर दिन थोड़ी लोगों को देखने को मिलता है, एक दिन फ्री में दिखाया तो क्या जायेगा तेरा? अब जो दो लड़कियाँ हैं... वो तेरी हैं पर उनका बाप कौन है रानी? तेरे चूतिया पति कि ही निशानी हैं वो दोनों या किसी और की? तेरी जैसी गर्म औरत को बेरहमी से ही मसलना चाहिये जिससे तुम और गर्म हो कर चुदवाती हो, तेरी जैसी औरतों को खूब जानता हूँ मैं रूपा।"

नीचे बैठने से रूपा का पेटिकोट खराब हो गया । वो उठना चाहती थी लेकिन तब तक असलम उसकी गोद में लेट गया था। असलम के बालों में हाथ घुमाते हुए वो बोली, "अरे ये क्या असलम, ये नीचे क्यो बिठा दिया? मेरी साड़ी पूरी खराब हो जायेगी, वैसे ही पसीने से भीगी थी... अब उसपे मिट्टी लगेगी। उम्म बस ऐसे ही मसल हौले-हौले मेरे मम्मे, आहह बहुत मज़ा आता है। क्या तू ऐसे ही अपनी बीवी को भी मसलता है? तो उसे रोज़ जन्नत नसीब होती होगी? अरे मेरा सीना हर किसी को दिखाने के लिये थोड़ी है। हाँ ये बात और है कि तेरे जैसे लोग चोरी छिपे देख लेते होंगे। वैसे मेरा सीना कड़क है इसलिये तो तूने मुझे देखा ना...? रही बात मेरे बच्चों की तो असलम वो दोनों मेरे पति के ही बच्चे हैं। मेरे पति ने ही मुझे माँ बनाया... इतनी ताकत है उसमें... भले आज वो पहले जैसा हर दिन मस्ती नहीं करता मेरे साथ।" ये सब बोलने के बाद रूपा ने मोबाइल से अपनी सहेली को फोन करके बताया कि वो किसी काम में फंसी है... इसलिये उसे आने में देर होगी, लेकिन वो आयेगी ज़रूर।

Hindi Fonts By: SINSEX

फोन पे हुई रूपा की बात सुन के असलम खुश हुआ और रूपा को झुकाके उसके मम्मे बरी-बरी चूमते हुए असलम बोला, "ये अच्छा किया तूने कि सहेली से कहा कि तुझे देर होने वाली है। अब फ़ुर्सत से तुझे चोदूँगा रानी, तेरी जैसी औरत को मस्ती से चोदना चाहिये... तब पूरा मज़ा मिलेगा। रूपा साड़ी खराब हुई तो क्या... तेरी चूत को तो मज़ा मिलेगा ना?" असलम मुड़कर पेटिकोट के ऊपर से चूत चूमते हुए बोला। "मेरी शादी नहीं हुई अब तक इसलिये तेरी जैसी गर्म औरतों को ढूँढता हूँ। तुम गुज्जू औरतें बहुत शर्मिली होती हो पर चुदवाने की इच्छा बहुत होती है... इसलिये जब मेरे जैसे मर्द के हाथ आ जाती हो तो ना-ना करते दिल खोल के चुदवाती हो।" फिर वो ब्लाऊज़ के ऊपर से किस करते हुए बोला, "रूपा रानी! जैसे तेरे ये मम्मे हैं... वो देखके तो किसी की भी नियत खराब होगी जान, और उससे पहले तो तेरी मस्त गोल गाँड देखके मेरी नज़र तुझपे आ गयी। तुम औरतें ये ऊँची ऐड़ी की सैंडल पहन कर खूब अच्छा करती

HINDI FONTS BY: SINSEX

हो... इससे तुम्हारी गाँड और उभर जाती है। क्या ये सच है कि तेरे पति ने ही तुझे चोद के वो बच्चे पैदा किये... रूपा?"

असलम से तारीफ और बातें सुन के रूपा को अच्छा भी लगा और शर्म भी आयी। असलम द्वारा मम्मे और चूत चूमने से मस्त हो कर रूपा ने अपनी ब्लाऊज़ के हुक खोले और असलम को अपने सीने का पूरा मुआयना करवाती हुई वो बोली, "हुम्म्म्म उम्म्म प्लीज़ और चूस... और चूस मेरे मम्मे और मसल भी उनको असलम। तू सच बोलता है, मेरी जैसी गर्म गुजराती औरत तेरे जैसे मर्द के हाथ आये तो पहले शर्माती है पर फिर दिल खोलके मज़ा लूटने देती है। असलम तू पहला मर्द नहीं जो मेरा कसा जिस्म देखके मेरे पीछे पड़ा पर पिछले कईं सालों में तू वो पहला मर्द है जिसे मैंने पूरी लिफ़्ट दी है। शादी से पहले मैंने भी कई लंड लिये हैं। पर असलम इतनी भी गाली मत दे मेरे पति को और उसे इतना भी निकम्मा मत समझ। मेरी दोनों बेटियों का बाप मेरा पति ही है असलम।"

Hindi Fonts By: SINSEX

रूपा की ब्रा में भरे मम्मों को देख के असलम चकाचौंध हो गया क्योंकि वो बड़े और कसे हुए मम्मे रूपा कि ब्रा में भी नहीं समा रहे थे। उस टाइट ब्रा में कसे रूपा के मम्मे देखके पागल जैसे उनको चूसने, मसलने और हल्के-हल्के काटते हुए असलम बोला, “आहह साली क्या मस्त चूचियाँ हैं, तेरा वो चूतिया पति ज्यादा चोदता या ज्यादा मसलता नहीं क्या तुझे... जो इतना मस्त जिस्म है तेरा अब तक? साली तू एकदम गरम माल है जान, खूब मज़ा आयेगा तुझे चोदने में। क्यों गाली नहीं दूँ तेरे चूतिया पति को? साला घर में इतना गर्म गुजराती माल छुपाके रखता है, गाँडू कभी मिला मुझे तो उसकी गाँड मारूँगा।" रूपा के मम्मों से खेलते हुए असलम ने रूपा का हाथ पकड़ के अपने लौड़े पे लाके रखा।

असलम की गंदी बातें और चूत छूने से रूपा की चूत और गर्म हो गयी। असलम के लंड पे हाथ जाते ही रूपा को करंट सा लगा और उसके निप्पल काफी कड़क हो गये। असलम का मुँह अपने मम्मे पे दबाते हुए वो बोली, "आहह... आहह ओहहह माँ हाँ... और चूस... और चूस ले इनको... बहुत बेताब हूँ मैं राजा। मेरे पति ने बहुत मसले हैं मेरे मम्मे, शादी से पहले ही मसलता था जब हम मिलते थे, अब मेरे मम्मों के साइज़ से तो अंदाज़ लगा कि कितना मसलता था मुझे वो। बाप रे...! तेरे सामान की लंबाई

और चौड़ाई तो काफी है, शादी क्यों नहीं की अब तक? ऐसे सामान वाले के नीचे कोई भी औरत सोने को तैयार हो कर पूरी–पूरी रात मज़ा ले ऐसे सामान का।"

असलम ने रूपा की ब्रा खोल के उसके कड़क निप्पल देखे तो बेताबी से उनको मसलते हुए और फिर एक–एक को चूसते हुए बोला, "सामान क्यों बोलती है साली? क्या है इसका नाम? साली तेरे उस चूतिया पति का लंड सामान होगा... मेरा तो लौड़ा है लौड़ा... समझी? सिर्फ़ पैंट के ऊपर से छू कर क्या बोलती है, ज़िप खोल के बाहर निकाल के देख कैसा है मेरा लंड रूपा! बहनचोद... इसे क्या मसलना बोलते हैं? गाँडू में ताकत है या नहीं? अब मम्मे मैं मसलूँगा... तब देख कैसे चींख–चींख के उछलेगी तू। साली शादी की तो एक ही चूत चोदने को मिलेगी लेकिन नहीं की तो तेरी जैसी मस्त गर्म चूत मिलेगी... और तू इस लौड़े से चुदवाके तेरी सहेलियों को भी सुलायेगी मेरे नीचे... है ना?"

असलम की ज़िप खोल कर रूपा ने अपने दोनों पैर घुटनों में मोड़ लिये जिससे उसकी साड़ी जाँघों से ऊपर खिंच गयी और असलम को उसकी चूत दिखायी दी क्योंकि रूपा ने पेटिकोट के नीचे पैंटी ही नहीं पहनी थी। झटके से असलम की पैंट खोल के रूपा ने अपने हाथ से उसका लंड निकाला। काले साँप जैसे सख्त गर्म लंड को वो देख कर वो खुश हुई। लंड के आजू बाजू में घनी झाँटें देख कर उसमें अपनी अँगुलियाँ घुमाती हुई वो बोली, "ओहह वॉओ! क्या मस्त लंड है तेरा असलम। लंड बोलने में ज़रा शर्म आती थी इसलिये मैंने सामान बोला। सुन असलम तेरा ये लंड का प्रसाद सहेलियों में क्यों बाँटू? तेरा ये लंड तो मैं ही पूरा खाऊँगी और खाके थक गयी तो फिर किसी सहेली को दूँगी... मेरी सहेलियों को चोदना है तो मेरी मिन्नतें करनी पड़ेंगी... असलम।"

रूपा कि नंगी गिली चूत देख कर उस पे हाथ रख कर मसलते हुए रूपा की साड़ी कमर तक उठा कर वैसे ही सोते–सोते उसकी चूत के पास आके उसकी चूत पे जीभ फेरने के बाद असलम बोला, "अब अंजान मर्द से चुदवाने वाली है तो लौड़ा बोलने में कैसी शरम जान? एक हाथ से लंड सहला और दूसरे से मेरी गोटियाँ। साली आज तुझे जन्नत कि सैर करवाऊँगा। मिन्नतें तो क्या मेरी जान... मैं तो तेरा गुलाम हूँ... चाहे तो मुझे अपनी सैंडल की नोक पे रख... कहेगी तो तेरे सैंडलों के तलवे तक चाटूँगा अगर मुझे अपनी सहेलियों की चूत दिलवायेगी तो... वैसे तेरी लड़कियों की उम्र क्या है

HINDI FONTS BY: SINSEX

रूपा? मेरा लंड तुझे इतना अच्छा लगा है तो देख आज तुझे कितना मज़ा दूँगा, वैसे मेरा लंड इतना अच्छा क्यों लगा तुझे रूपा जान?"

अपनी चिकनी चूत पे पहले असलम का हाथ और फिर चूत को चाटने से रूपा को अच्छा लगा। वो अपनी चूत हल्के से असलम के मुँह पे दबा कर अपनी अँगूली पे असलम के लौड़े का रस लेके बोली, "अब तेरा हाथ मम्मों पे पड़ा तो ये लगा मुझे कि मसलना किसको कहते हैं और मर्द का हाथ कैसा होता है। मेरा पति आज तक मम्मे मसलता था पर उसमें वो बेरहमी नहीं थी जो तू दिखा रहा है। असलम एक बात माननी पड़ेगी तुझे कि उसके दबाने या ना दबाने की वजह से मेरे मम्मे आज भी ढीले नहीं हैं और तने हुए हैं... जिससे मुझ में अपने आप कॉनफीडेंस आता है और दूसरी औरतों की तरह पुश–अप ब्रा नहीं पहननी पड़ती है। देख तो सही तेरा लंड कैसा फुँफकार रहा है मेरे मम्मे देख कर... मानो मम्मे देखे ही ना हो... तू मेरे सैंडलों के तलवे चाटने की बात तो कर रहा है... साले... सोच ले... मैं भी बहुत कुत्ती औरत हूँ... सच में चटवाऊँगी अपने सैंडलों के तलवे... फिर मत कहना।"

Hindi Fonts By: SINSEX

रूपा की चूत चाट कर उसके मम्मे मसलते हुए असलम रूपा की अँगूली उसके मुँह में घुसाते हुए बोला, "साली ले मेरे लौड़े का पानी चाट ले... वो तेरे लिये ही है, अभी अँगूली पे पानी लिया है फिर पूरा लंड तेरे मुँह में डालना है जान। साली तूने खुद को मेंटेंड रखा है जान, जिससे आज भी तू ३०–३२ साल की ही लगती है। ऐसा मस्त जिस्म तो नयी–नयी शादी हुई लड़कियों का ही होता है रूपा। पर आज तेरे इस वेल–मेंटेंड गुजराती जिस्म कि चूत, गाँड, मुँह और मम्मों का भोंसड़ा बनाके रखुँगा समझी? बहनचोद इतना चोदूँगा तुझे कि तुझ में उठने का दम ही नहीं रहेगा। रूपा बहनचोद तेरी जैसी गर्म औरत आज तक मेरे लौड़े ने नहीं देखी... इसलिये ऐसे फुँफकार रहा है... मुझे पता है कि तू बहूत कुत्ती औरत है पर मैं भी ज़ुबान का पक्का हूँ... कहे तो मैं अभी तेरी सैंडल के तलवे अपनी जीभ से चाट दूँ।"

असलम की जीभ के बार–बार चूत चाटने से एक सरसराहट रूपा के जिस्म में दौड़ी। अपने होंठ काटते हुए रूपा असलम का मुँह जोर से अपनी चूत पे दबाते हुए बोली, "उम्मम हाँ और चाटो राजा। बड़ा मज़ा आ रहा है तुझसे चूत चटवाने में। अरे ऐसा लौड़ा मैंने अपनी ज़िंदगी में पहली बार देखा, मूसल जैसा है... मानो किसी जानवर का

HINDI FONTS BY: SINSEX

HINDI FONTS BY: SINSEX

हो। और जब जानवर चूदाई करता है तब चूत, गाँड, मुँह और मम्मों का तो भोंसड़ा बनता ही है और मुझे भी वैसा ही चाहिये। असलम तुझे जैसे चोदना है वैसे चोद मेरा ये जिस्म... तू मेरे सैंडलों के तलवे चाटने को तैयार है तो मैं भी कम नहीं... आज ये गुज्जू रूपा सब करेगी तेरे लिये... क्योंकि मुझे आज पूरा मज़ा चाहिये तेरे जैसे मर्द से।"

रूपा की कमर में दोनों हाथ डाल कर उसकी चूत बेताबी से चाटते हुए पूरी जीभ चूत में घुसा के असलम चाटने लगा। अच्छे से चूत चाट कर फिर बेरहमी से रूपा के मम्मे मसलते हुए वो बोला, "मज़ा आ रहा है ना रानी? कभी किसी मर्द ने ऐसे चाटी थी तेरी चूत जान? पहले तो तेरी चूत जीभ से चोदूँगा और फिर मैं जानवर जैसे उसमें लंड डाल कर कुतिया बनाके चोदूँगा। बहनचोद तेरी जैसी सब औरतों ने यही कहा है मुझसे कि मेरे जैसा लंड देखा नहीं है उन्होंने। कितनों को चोद के भोंसड़ा बना चुका हूँ मैं... आज तेरी बरी है। सुन रूपा आज रात भर तुझे चोदूँगा, तेरी सहेली गयी भाड में। आज तुझे उसके घर जाने नहीं दूँगा, अभी यहाँ चोद कर फिर मेरे घर ले जाऊँगा समझी? बहनचोद साली तुझे बच्चों के बारे में पूछा तो जवाब क्यों नहीं देती हरामी।" गुस्से से असलम ने रूपा के मम्मे ज़ोर से दबाये।

Hindi Fonts By: SINSEX

गालियाँ और बेरहमी से चूत मसलने से रूपा को बड़ा अच्छा लग रहा था। पहली बार एक जानवर जैसे मर्द से मस्ती करने में उसे मज़ा आ रहा था। असलम की गोटियाँ मसलते हुए वो बोली, "आहहहह और चाट मेरी चूत और ऐसे ही मसल डाल मेरे मम्मे असलम। आज तक पति ने इस तरह कभी मसला नहीं मेरा जिस्म और चूत भी चाटी नहीं उसने। मेरे बदन से खूब खेलके फिर डाल अपना जानवर जैसा लंड मेरी चूत में। मैं भी बेताबी से तुझ से एक जंगली जैसी चुदवाने को तड़प रही हूँ। कई बार अपनी चूत को केले से चोदते हुए गधे के लंड की कल्पना करती हूँ... तेरा लंड भी कम नहीं है... चाहे जो हो जाये आज... चाहे मेरी चूत फटे, मुँह सूजे, मम्मों से खून निकले या गाँड फटे, मैं तेरा लौड़ा आज ले लूँगी और पूरी तरह से लूँगी। तू तो ऐसा बोल रहा है जैसे तूने बहुत चूतों को चोदा है, तेरी स्टाइल से और तेरे अंदाज़ से ये भी मानना ही पड़ेगा पर मैं घर जाके नहीं चुदवाऊँगी, मुझे यहीं चुदना है। घर तो अब आना जाना रहेगा ही... वो फिर कभी। तू तो मेरी लड़कियों के बारे में मेरे पीछे ही पड़ गया है। मेरी लड़कियाँ हैं... ये सुन के तेरी आँखों में चमक क्यों आ जाती है असलम?"

HINDI FONTS BY: SINSEX

असलम खड़ा हो कर नंगा हुआ और फिर रूपा को भी खड़ी करके उसका पेटिकोट और साड़ी निकाल के उसको सिर्फ़ ब्लाऊज़ में खड़ी किया। दोनों हाथों से रूपा का ब्लाऊज़ वो खिंच के उतारने लगा जिससे ब्लाऊज़ फट गया। रूपा की ब्रा उतार के उसको पूरी नंगी कर दिया। अब वो सिर्फ ब्राऊन कलर के ऊँची ऐड़ी के सैंडल पहने असलम के सामने खड़ी थी। रूपा की चूत में दो अँगूली डाल के उसके मम्मे मसलते हुए असलम बोला, "साली मुझे मालूम है तेरी जैसी रंडी गर्म गुजराती औरत को कैसे बेरहमी से गालियों और मार के साथ चोदना चाहिये। तेरी जैसी औरत को काफी पसंद है जानवर जैसे चुदवाना। बहनचोद तुम्हारे पति पैसे कमाने के चक्कर में रहते हैं और तुम घर में सती सावित्री बनती हो पर हमारे सामने एकदम राँड बन जाती हो तुम। तेरी बेटियों की बात सुन के मेरी आँखों में इसलिये चमक आयी क्योंकि मुझे तो कम्सिन लड़कियाँ भी बड़ी पसंद हैं। तेरी जैसी गर्म गुजराती औरतों की जवान बेटियाँ भी गर्म होती हैं और उनको चोदने में बड़ा मज़ा आता है। बहनचोद... तेरी कम्सिन बेटियाँ हैं... ये सुन के लौड़े में और गरमी भर गयी, मादरचोद... उनकी उम्र और नाम तो बता।"

Hindi Fonts By: SINSEX

अपनी कमर आगे पीछे करके रूपा असलम से चूत में अँगूली करवाती हुई उसका लंड मसलते हुए बोली, "देख असलम, तू गालियाँ दे या जो कुछ भी करे... मुझे कोई प्रॉब्लम नहीं, पर मार नहीं खाऊँगी। देख मैं बाकी औरतों जैसी नहीं हूँ। अब तुझसे चुदवाना है तो पूरा दिल खोल के चुदवा लूँगी, उसमें मेरा ब्लाऊज़ फटे या बाकी कपड़े गंदे हों तो भी कोई बात नहीं, मैं कुछ नहीं कहूँगी पर साले अब मेरी चूत को बराबर सहला, मुझे बहुत मज़ा आता है जब तू ऊपर से सहलाते हुए चूत में अँगूली करता है तो। अरे तेरा ऐसा मूसल जैसा लंड मैं छोड़ने वाली नहीं हूँ, तू जैसे चाहेगा वैसे चुदवा लूँगी आज तुझसे। मेरी बेटियाँ हैं और वो जुड़वां हैं पर तुझे क्या दिलचस्पी है उनमें ये तो बता? एक का नाम नीता और दूसरी का श्वेता है।"

रूपा की वो हल्की अकड़ देख के असलम ने गुस्से से उसकी चूचियाँ बड़ी बेरहमी से मसलीं और निप्पल काटते हुए तीन अँगुलियाँ ज़ोर से चूत में घुसा दीं जिससे रूपा को बड़ा दर्द हुआ पर फिर भी रूपा ने उससे और लिपट के आहें भरीं। अपना लंड रूपा के हाथ में दे कर और उसके निप्पलों से खेलते हुए असलम बोला, "तेरी माँ की चूत साली, मुझे मत सिखा कि क्या करूँ रंडी। मैं जैसे चाहुँगा तुझे चोदूँगा, जितना चहुँगा

मारूँगा समझी? तेरी जैसी रंडी चूत को मार के चोदने से तुम हमेशा हमारे हमारे लंड की गुलाम रहती हो। मेरे सामने ज्यादा अकड़ना नहीं समझी? मैंने प्यार से तेरे सैंडल के तलवे छाटने की बात कही तो तू ज्यादा ही अकड़ने लगी..." रूपा को एक झापड़ मार कर रूपा की चिकनी चूत सहलाते हुए असलम ने नीचे बैठ कर उसको चाट कर कहा, "मुझे मालूम है तेरी जैसी गरम चूत मेरा तगड़ा लंड कभी नहीं छोड़ेगी लेकिन साली तुझे चोदने की कीमत चाहिये मुझे... और कीमत है तेरी वो दो जुड़वां लड़कियाँ, आहहहहहहह नाम भी क्या सैक्सी हैं उनके, नीता और श्वेता, उम्र क्या है तेरी उन बेटियों की रूपा?"

असलम के झापड़ से रूपा के गाल पे लाल निशान आ गया। उसके बाल बिखर के चेहरे पे आ गये। उसने अपने बाल संवारे और उसका असलम को दबाने का जोश कुछ ठंडा पड़ गया। जिस तरह असलम उसकी चूत चाट रहा था उससे रूपा मदहोश हो कर असलम का सिर चूत पे दबाते हुई बोली, "आहहह चोद जैसे मर्ज़ी आये वैसे चोद। आज तू चाहे कुछ भी कर ले लेकिन ऐसा मस्त लौड़ा जाने नहीं दूँगी मैं। तू जी भरके गालियाँ दे... मार मुझे लेकिन जानवर बनाके चोद भी मुझे.. असलम! पर बदले में तू भी मेरी गालियाँ सुनने और मेरी मार खाने के लिये तैयार रह... मुझे भी चुदाई के वक्त वहशियानपन करना अच्छा लगता है... असलम तू मेरी जैसी औरत को रंडी क्यों बोलता है? पति के अलावा मैं कई साल बाद किसी अजनबी से चुदवा रही हूँ... इसलिये रंडी बोलता है क्या मुझे? मेरी उम्र से तू ही अंदाज़ा लगा मेरी बेटियों की उम्र का। नहीं लगा सकता ना अंदाज़ तू? तो सुन दोनों अभी-अभी २० साल की हो गयी हैं।"

Hindi Fonts By: SINSEX

असलम ने रूपा की चिकनी चूत चाट कर बाहर से पूरी गीली कर दी थी । रूपा की चूत को अंदर से भी अच्छे से चाट कर असलम रूपा के मम्मों को पकड़ कर उनका सहारा ले कर खड़े होते हुए बोला, "देखा मादरचोद रंडी, एक झापड़ से कैसे तुझे तेरी औकात मालूम हुई? ये भी देखा ना तूने कि कैसे एक अंजान मर्द के साथ रासते में चुदवाने के लिये नंगी हुई है तू... इसलिये तेरी जैसी चूदास औरतों को मैं राँड बुलाता हूँ, थोड़ा यहाँ और वहाँ हाथ लगाओ और साली तुम टाँगें फ़ैला कर चुदवाने को तैयार हो जाती हो, है ना सच बात?" रूपा के मम्मे निचोड़ कर असलम ने रूपा को नीचे बिठाया और अपना लंड उसके मुँह पे घुमाते हुए बोला, "चल मादरचोद चूत! अब मेरा लंड चूस अच्छे से, अब देख तुमसे क्या-क्या करवाता हूँ। बहनचोद बीस साल की

कम्सिन चूत कभी नहीं चोदी मैंने और तेरे पास दो–दो कम्सिन चूत हैं? तेरी माँ की चूत... खूब मज़ा आयेगा तेरी बेटियों को चोदने में, खूब चोदूँगा तुझे और तेरी बेटियों को।"

रूपा ने असलम का लंड अपने चेहरे पे घुमा कर उसे ऊपर करके एक बार लंड के नीचे और गोटियों का पसीना चाट लिया। फिर प्यार से लंड को देख कर उसको चूमते हुए बोली, "हाँ हो गयी औकात पता मुझे मेरी असलम एक झापड़ से। अरे असलम गाँडू, तेरे जैसा अलबेला मर्द हो या कोई और मर्द हो, इतना गर्म करोगे तो बर्फ जैसी कोई भी औरत नंगी हो जाये चुदवाने के लिये और फिर मैं तो खुद इतनी गर्म हूँ और अभी जवान हूँ... और ये इतना मस्त लंड देखूँगी तो क्या चुदवाने के लिये टाँगें फ़ैला कर तेरे नीचे नहीं लेटूँगी? तू देख तो... तेरा लंड मेरी नंगी जवानी देख कर कैसा फुँफकार रहा है। मानो इतनी मस्त नंगी औरत देखी ही ना हो। अरे बीस साल की चूत नहीं चोदी तो क्या हुआ? मेरा जिस्म और मेरी चूत भी तो वैसी ही है ना?"

Hindi Fonts By: SINSEX

रूपा के चाटने से असलम को अच्छा लगा। उसे अब पेशाब आ रहा था। एक बार पेशाब करके फिर रूपा से लंड चूसवाना उसने बेहतर समझा। असलम ने रूपा को ये बताया पर रूपा उसकी आँखों में आँखें डाल कर देखती हुई उसका लटकता और तना लंड सहलाती रही, मानो वो कुछ कहना चाहती हो पर शर्म से कह नहीं पा रही हो। असलम ने एक मिनट रूपा को देखा और फिर उसके दिल की बात समझ गया। अपना लंड रूपा के मुँह की तरफ करके पेशाब करने लगा। असलम के पेशाब से रूपा का मुँह भर गया तो फिर उसकी पेशाब मुँह से हो कर मम्मों को गीला करते हुए और फिर नीचे चूत को गीली करके ज़मीन पे गिरने लगा। अपना लंड फिर रूपा की माँग पे निशाना लगाकर उसमें पेशाब करते हुए असलम बोला, "तेरी माँ की चूत हरामी राँड, आज तक किसी भी औरत की माँग ऐसे नहीं भरी थी, राँड तुझे पेशाब पिला कर और माँग भर के अब तुझे अपनी छिनाल बनाया है। रही बात गर्म करने की तो क्या तूने आज तक अपने मर्द को भी तुझे इतना गर्म करते देखा है? तू तो चुदवाने के पहले ही राँड बन गयी है। मादरचोद तेरी जैसे औरत को मेरे जैसा लौड़ा जब मिलता है तो तुम लाज शरम छोड़के किसी भी जगह नंगी हो कर रंडी होने का सबूत देती हो। तेरी चूत भी काफी मस्त है लेकिन साली बीस साल की लड़की का सील तोड़ना अलग बात है रूपा... इसी लिये मुझे उनको चोदना है राँड।"

रूपा जैसा चाहती थी वो असलम ने समझ कर उसको अपने पेशाब से नहला दिया। उस गर्म पेशाब से अपने मम्मे और बदन को नहला कर रूपा को अच्छा लगा। सबसे अच्छा उसे तब लगा जब असलम ने उसकी माँग पेशाब से भरी। रूपा को असलम का पेशाब अपनी माँग और पूरे बदन पे सोने के पानी जैसा लगा। अपने नंगे जिस्म पे वो पेशाब मलते–मलते हौले–हौले अपने मम्मे दबाते हुए वो बोली, "हुम्म्म हाय, असलम मादरचोद... कितना अच्छा लगा तेरे पेशाब से नहाने में। तेरे लंड की कसम असलम भड़वे... ये इतने तने हुए निप्पल मेरे कभी नहीं हुये। आज पहली बार मुझे अपनी सैक्सी इमेज का एहसास हुआ। अरे मेरे जैसी औरत की बात छोड़, किसी भी औरत को ऐसा लंड मिले तो वो मस्त हो जाये और चुदवाये रंडी जैसे।" पेशाब टपकता असलम का लंड रूपा अपने मुँह में डाल कर मस्ती से चूसते हुए अपनी चूत और मम्मे सहलाने लगी।

Hindi Fonts By: SINSEX

असलम रूपा की बात सुन कर खुश हो कर उसका सिर पकड़ कर खड़े–खड़े उसका मुँह चोदते हुए बोला, "तेरी माँ की चूत, कसम से आज तक तेरी जैसी हरामी औरत नहीं देखी जो पेशाब अपने जिस्म पे लगा कर खुद उसे अपने मम्मे और चूत पर मसलते हुए लंड चूसती है। ऐसे ही चूस रंडी, ज़ोर से चूस मेरा लौड़ा और गोटियाँ और ऐसे ही चूसते हुए चूत में अँगूली करती रह रानी। मुझे पता है मेरा लंड देख कर किसी भी औरत की चूत गीली होगी रंडी... पर तेरी जैसी छिनाल औरत नंगी हो मेरे सामने तो मैं जानता हूँ कि वो औरत दोनों को खूब मज़ा देगी। अब मेरा ये लंड लेने के बाद अपनी लड़कियों को कब सुलायेगी मेरे नीचे ये बता।"

ज़िंदगी में पहली बार इतना काला, मोटा और लंबा लंड देख कर रूपा खुश हो कर पहले उसे मसलने लगी। फिर असलम की गोटियाँ सहला कर और उसकी तरफ़ देख कर रूपा ने जीभ निकाल कर दो–तीन बार लंड चाट लिया। असलम के चेहरे पे फ़ैली मुस्कुराहट देख कर रूपा को बड़ा अच्छा लगा और उसने असलम का लंड मुँह में डाल लिया। असलम के बड़े लौड़े से रूपा का मुँह पूरा भर गया। लंड पे मुँह आगे पीछे करते हुए लंड बहुत मस्ती से चुसते हुए रूपा बोली, "अब मुझे लंड चूसने देगा या नहीं गाँडू? अब मेरी बेटियों के बारे में कुछ मत पूछना जब तक तू मेरी चूत में अपना पानी ना डाले। तब तक तू मेरे और अपने बारे में ही बात करना। उसके बाद मैं तुझे जो

HINDI FONTS BY: SINSEX

चाहे वो बताऊँगी उन दोनों के बारे में। कसम से इतना बड़ा लंड ज़िंदगी में नहीं चूसा। लगता है आज चूत के साथ मेरे होंठ भी सूज जायेंगे तेरा लंड चूसते–चूसते असलम।"

रूपा कि बात और चूसवायी अच्छी लगने से असलम हल्के–हल्के उसका मुँह चोदते हुए और बालों में हाथ फेरते हुए बोला, "ठीक है मादरचोद रंडी, अब पहले तेरी चूत का भोंसड़ा बनाने के बाद ही तेरी कम्सिन बेटियों की बात करूँगा। रूपा रंडी... पहले मेरा लंड और फिर मेरी गोटियाँ और बाद में मेरी गाँड चाट। फिर बाद में तेरी गाँड मारूँगा और फिर चूत। बहनचोद इतना बड़ा लंड देखा नहीं था तो पहले मिलती, खूब चोदता तुझे रंडी। अब देख तेरी गाँड कैसे फाड़ूँगा... पहले अच्छे से चूस कर बड़ा कर मेरा लौड़ा तेरी गाँड फाड़ने के लिये।"

रूपा खुशी से लंड चूस रही थी। मुठ मारती हुई वो लंड चाट कर मुँह में ले रही थी। चाटने से चेहरे पे आ रहे बालों को असलम पीछे करके रूपा को लंड चूसते देख कर सिसकरियाँ भर रहा था। अच्छे से लंड चूसने के बाद रूपा ने ज़मीन पे लेट कर असलम के दोनों पैरों के एक दम नीचे उसके लंड के पास आते हुए उसे अपने मुँह पे बिठाया जिससे उसका लंड पूरा रूपा की गिरफ़्त में रहे और असलम की झाँट, गोटियाँ और गाँड का छेद भी एकदम जीभ के पास हो। असलम की झाँट चाट कर वो बोली, "हाँ और लंबा करूँगी... चाहे जो हो जाये। बहनचोद तुझे तो वक्त का अंदाज़ा भी नहीं होगा कि पूरे दस मिनट से चूस रही हूँ तेरा लंड... देख कितना गीला हुआ है। गोटियाँ क्या चूसूँ, मुझे तो तेरी झाँटों से आती खुशबू में दिलचस्पी है, वही तो है जो मदहोश करती है मुझे... असलम कुत्ते।" रूपा की इस अदा पे असलम खुश हुआ पर उसे और खुशी तब मिली जब उसे अपनी गाँड पर रूपा की जीभ महसूस हुई। आँखें बन्द करके रूपा के मम्मे ज़ोर से मसलते हुए वो बोला, "साली तेरा चूसना इतना मस्त है कि इतना समय तूने चूसा वो समझा ही नहीं। कसम से तेरे जैसा मस्त लौड़ा आज तक किसी ने नहीं चूसा मेरा। तू सही में मर्द को गर्म करना और उसे खुश करना जानती है रूपा। और फिर ये तेरा गाँड चाटना, उफ्फ्फ, मादरचोद अच्छे से मेरी गाँड चाटेगी तो ऐसे ही तुझे चोदूँगा और हमेशा खुश रखुँगा, चल चोद मेरी गाँड अपनी जीभ से रूपा।"

रूपा जीभ गाँड पे घुमा कर चाटने लगी। उसका एक हाथ लंड पे मुठ भी मार रहा था।

Hindi Fonts By: SINSEX

HINDI FONTS BY: SINSEX

HINDI FONTS BY: SINSEX

असलम मम्मे बड़ी मस्ती से मसल कर उसे और गर्म कर रहा था। गाँड के छेद में जीभ घुसेड़ कर वो असलम को और खुश कर रही थी। गाँड चाटने के बाद उसने लंड के आजु बाजू का इलाका थूक से पूरा का पूरा गीला किया, मानो असलम के लंड से रस बहने लगा हो। लंड को चेहरे पे घुमती हुई वो बोली, "हाँ और दे मुझे और दे तेरी झाँटें... लंड और गाँड, आज सब चाट डालूँगी मादरचोद। आज मैं पूरे मूड में हूँ, सब कुछ करूँगी। मेरा ये ऐसा नशीला मूड तूने ही बनाया है, अब तू जैसा चाहे वैसे चोद मुझे असलम। मुझे अच्छे से चोद और जब तक मुझे चोद रहा है... मेरी बेटियों के ख्यालों में खो मत जाना। अरे मेरी बेटियाँ भी मिलेंगी तुझे, उनको मैं ही चुदवाऊँगी तुझसे। वो भले ही बीस साल की हों पर जिस्म २३–२४ जैसा है उनका। खूब चोद मेरी बेटियों को भी असलम।"

असलम अब रूपा पे उल्टा लेट गया। इससे रूपा को लंड और गाँड चाटने में आसानी हो गयी और रूपा की चूत और गाँड असलम के मुँह के पास हो गयी। अपने पैर घुटनों में मोड़ कर असलम पैरों की आँगुलियों से रूपा के मम्मे मसलने लगा। अपने खुरदुरे पैरों से रूपा के चिकने और मुलायम मम्मे बेरहमी से रगड़ते हुए वो बोला, "तेरी माँ की चूत साली... मुझे अपनी लड़कियों का लालच देती है छिनाल? साली तू क्या उनकी दलाल है हरामी? बहनचोद मैं तो तेरी लड़कियों को वैसे भी चोदूँगा रंडी। लेकिन अब पहले तेरे जिस्म को चोदना है अभी। आहहहहहह हरामी... जीभ से मेरी गाँड चोद, पूरी अंदर डाल अपनी जीभ।"

Hindi Fonts By: SINSEX

थोड़ा और नीचे हो कर असलम की गाँड के दोनों गोलों को अलग करके उसके छेद पे अपनी जीभ रख कर रूपा पागल बिल्ली की तरह चाटने लगी। उस तीखी गंध से उसे अच्छा लगा तो वो पूरी गाँड पे जीभ फेरते हुए छेद में जीभ घुसा कर चाटने लगी। अपने मुलायम मम्मों पे असलम के खुरदुरे पैरों से होता खिलवाड़ उसे अच्छा लगा और वो बोली, "हाँ साले... डालती हूँ! पहले झाँटों से तो स्वाद खतम करने दे। मैं बेटियों का लालच नहीं दे रही बल्कि इसमें तो मेरा ही स्वार्थ है, मुझे तेरे जैसे मर्द का मूसल जैसा लंड मिले। असलम... मैं तो यही चाहुँगी कि मेरी बेटियों को भी अच्छी चूदाई मिले इस लंड से। वैसे वो मेरी बेटियाँ हैं... इसलिए हो सकता है कि वो कॉलेज में लड़कों से चुदवाती हों।"

HINDI FONTS BY: SINSEX

रूपा की चूत फ़ैला कर उसमें जीभ डाल कर असलम चूत को जीभ से चोदने लगा। पूरी जीभ अंदर डाल कर चूत चाटने के बाद अपनी गाँड को चोद रही रूपा की जीभ का अच्छा एहसास होने पे असलम बोला, "आआआआहहहहहह साआआआआलीईईई क्या गर्म जीईईईभभभ है तेरी रंडी, इतनी गर्म जीभ आज तक मेरी गाँड पे नहीं लगी, और चाट, चूस अंदर डाल जीभ, बहनचोद कसम से अल्लाह की दुआ से आज पहली बार इतना गर्म माल मिला है, साली तू रंडी बनने के लायक है, तुझे तो किसी बड़े आदमी की रखैल बनना चाहिये रूपा। चूस और चोद मेरी गाँड रंडी, आहहहहह।"
असलम फिर चूत को अँगूली से फ़ैला कर चाटने लगा। रूपा की गाँड को सहला कर वो बीच–बीच में गाँड भी चाटने लगा। फिर अपनी जीभ से चूत को चोदते हुए उसने रूपा की गाँड में अँगूली घुसा डाली। गाँड में अँगूली घुसने से रूपा उचकी। वो भी असलम की गाँड चाटने लगी मस्ती से। उन दोनों का ये खेल चलता रहा। अपना मुँह असलम की गाँड से हटा कर रूपा बोली, "देखो असलम, हम दोनों ने ये अनुभव पहली बार किया है। बहुत मज़ा आ रहा है तेरी गाँड चाटने में और तुझसे अपनी गाँड चाटवाने में। आहह अरे अँगूली से क्या गाँड फाड़ेगा गाँडू? मेरी गाँड तेरे लौड़े से फटनी चाहिये। ऊम्म्म्म और अंदर अपनी मर्दानी जीभ डाल मेरी गर्म गुजराती चूत में असलम कुत्ते। मेरे चोदु भड़वे, जी चाहता है कि आज रात की सुबह ही ना हो, तू ऐसे ही पेलता रहे मुझे रात भर। ओहहह... मेरे मम्मे पे अपने हथौड़े जैसे हाथ से मेहरबानी कर... बहुत दिनों से इनको तेरे जैसे मस्त मर्द ने छुआ और मसला नहीं है।"

Hindi Fonts By: SINSEX

असलम उठ कर रूपा के सीने पे बैठ गया जिससे अब उसकी गाँड रूपा के मुँह पे आ गयी। रूपा असलम की गाँड फ़ैला कर उसे चाटने लगी और असलम उसके मम्मों को ज़ोर से मसलते हुए और निप्पलों को खींचते हुए बोला, "अरे बहनचोद रंडी, लौड़े से ही तेरी गाँड फाड़ूँगा रानी पर पहले तेरी गाँड में अँगूली करके उसमें मस्ती तो भर दूँ। साली इतनी क्यों उतावली हो रही है तू लंड के लिये? बहनचोद लंड घुसेगा तो देखुँगा कि कितनी मस्ती या दर्द से चुदवाती है तू। वैसे रंडी तेरे मम्मे सही में बड़े शानदार हैं, साली देख कैसे तन कर खड़े हैं तेरे निप्पल। बहनचोद... मम्मे बहुत दिनों से मसले नहीं ना किसी ने, आज देख तेरे मम्मों को कैसे नोच–नोच कर मसलता हूँ रंडी।"

रूपा में और मस्ती भर गयी मम्मों के मसलने से। असलम उसके मम्मे मसल रहा था

तो वो लंड पकड़ कर असलम को दिखा कर हिलाती हुई उसकी मुठ मारने लगी जिससे उसमें से काफी रस निकले। एक हाथ से वो पतला सा रस ले कर उसे अपनी चूत पे रगड़ते हुए धिरे–धिरे रूपा उतावली हो कर असलम की गाँड चाट रही थी। अब उसे एहसास हो रहा था कि उसकी चूत में लंड नहीं घुसा तो वो बेहद बेकाबू हो जायेगी। अपनी चूत में अँगूली डालते हुए वो असलम से बोली, "उफ्फ बहनचोद, मैं सही में अब उतावली हो गयी हूँ तेरे लंड के लिये। तूने आज जैसे मुझे गर्म करके रंडी बनाया है वैसे आज तक मैंने कभी नहीं किया था। तेरे इस दमदार लौड़े से दर्द भी हुआ तो भी अपनी गाँड को मैं चुदवाऊँगी, पर साले मादरचोद... अब चोद डाल मेरी चूत। बहुत तड़प रही है मेरी चूत तेरे लौड़े के लिये। दे मुझे अपना ये लौड़ा और शाँत कर मेरी जवानी।"

अपने नीचे लेटी रूपा की तड़प देख कर असलम खुश हुआ। उस रंडी औरत को चूदाई के लिये इतनी बेताब बनी देख कर उसे और तड़पाने के लिये उसके मम्मे और भी बेरहमी से मसलते हुए निप्पल खींच कर उनको मस्ती से मरोड़ते हुए वो बोला, "बहनचोद इतनी क्यों उतावली हो रही है कि लंड पे से मेरा पानी ले कर चूत में डाल रही है रंडी? अरे चूत में तो मेरा लौड़ा घुसेगा... तब मज़ा आयेगा तुझे... वो अँगूली निकाल राँड। साली और थोड़ी मेरी गाँड चाट कर जीभ से चोद... उसके बाद तेरी चूत फड़ दूँगा मैं, चल और चाट मेरी गाँड मेरी रूपा रानी।"

"आहहहह... अब ये आग नहीं सही जाती, जल्दी मेरी चूत में डाल दे अपना मुस्टंडा लंड नहीं तो मैं मर जाऊँगी... बहन के लौड़े। एक बार मुझे शाँत कर... फिर तू कहेगा तो रात भर तेरी गाँड चाटूँगी मैं। लेकिन अब सहा नहीं जाता, अब गाँड चाटने को मत बोल, अभी मेरी चूत चोद डाल।" रूपा अँगूली से अपनी चूत चोदते हुए जोश में आकर दूसरे हाथ से असलम के बाल पकड़ कर उसका सिर झंझोड़ डाला और उसकी छाती में एक मुक्का भी मारा। फिर उसका लंड सहलाने लगी जोश में। यह कहते हुए भी असलम की गाँड को चूसती रही वो बहुत उतावली हो कर।

असलम को पहले तो रूपा के मुक्के और अपने बाल खींचे जाने पर गुस्सा आया पर फिर रूपा पे रहम खा कर उसने उसकी चूत को झुक कर एक बार पूरी जीभ अंदर डाल के अच्छे से चाट लिया। फिर उसकी टाँगें फ़ैल कर उनमें बैठ के निप्पल खींच

कर मम्मे बेरहमी से मसलते हुए बोला, "चल रूपा रंडी, पहले तेरी चूत फाड़ कर बाद में तेरी गाँड का भोंसड़ा बना दूँगा... चल छिनाल मेरा लंड पकड़ कर अपनी रंडी चूत पे रख और चूत उठा कर मरे लौड़े से लगा। बहनचोद बहुत गर्म हो गयी है... लगता है अब तेरी इस गर्म गुज्जू चूत में अपना मूसल लौड़ा डाल के तुझे नहीं चोदा तो तू जल जायेगी अपनी चूत की आग में। मादरचोद कैसे एक अंजान मर्द की गाँड चाट रही है तू साली भड़वी। खुदा कसम तेरे जैसी गर्म माल देखी नहीं आज तक, चल रख मेरा लंड अपनी गर्म चूत पे।"

अपना सीना ऊपर करके असलम के हाथों में अपने मम्मे भर कर रूपा एक चुदक्कड़ बिल्ली की तरह झट से असलम का लंड पकड़ कर अपनी चूत पे सटा कर खुद ही अपनी कमर ऊपर नीचे करती हुई लंड अंदर डालने की कोशिश करती हुई बोली, "आआहहहहह... उम्मम अब मुझे चैन मिलेगा भोंसड़ी के..., ले मैंने चूत पे लंड रख दिया, अब तू डाल अपना लौड़ा मेरी गर्म चूत में बिंदास हो कर।"

Hindi Fonts By:

रूपा ने लंड चूत पे जैसे ही रखा, असलम ने हल्का धक्का दिया जिससे रूपा की तंग चूत का मुँह फ़ैला कर लंड की टोपी अंदर घुसी। रूपा की एक चूंची बेरहमी से मसलते हुए और दूसरे हाथ से अपना लंड पकड़ कर असलम बोला, "मादरचोद बड़ी चुदासी लगती है तू... रंडी अब देख तेरी चूत की क्या हालत करता हूँ। मादरचोद बड़ा गर्म किया है तूने मेरा लंड छिनाल, बड़ी मस्ती से चोदूँगा तेरी चूत हरामी।"

SINSEX

जैसे ही असलम का हाथ अपने लंड पे गया, रूपा अपने हाथों से खुद अपनी चूचियाँ मसलती हुई बोली, "उउम्मम थोड़ा और जोर से मार ना... पूरा लेना है लौड़ा चूत में हरामी। तू दर्द की चिंता मत कर, जितनी बेरहमी से हो सके डाल अपना लौड़ा मेरी चूत में और चोद मुझे।" रूपा की इस बात पे असलम ने भी जोश में आकर उसकी कमर में हाथ डाल कर एक ज़ोर दार धक्का दिया जिससे उसका मोटा लंड रूपा कि चूत फ़ैलते हुए करीब-करीब आधा घुस गया। इतना मोटा लौड़ा घुसने से रूपा का सीना और माथा पसीने से लथपथ हो गया। दर्द से उसने आँखें बंद करके होंठ दाँतों में दबाये। रूपा के सीने का पसीना चाट कर असलम बोला, "तेरी माँ की चूत चोदूँ, साली रंडी, क्या टाइट चूत है तेरी। लगता है तेरे पति का लंड ज्यादा बड़ा नहीं है जो मेरा लंड इतना टाइट जा रहा है।"

अपनी कमर हिला कर, पैर फ़ैलाते हुए रूपा असलम के लंड का रास्ता और आसान करती हुई, असलम के चौड़े सीने पे हाथ फेरती हुई बोली, "अरे मेरे पति की बात छोड़, तुझे मज़ा आ रहा है ना एक ४२–४३ साल की औरत की इतनी टाइट चूत में लंड डालने में? यार तू अपनी सोच, मेरे बारे में बोल, पति का क्या काम है? उसका काम खतम हुआ जब उसने दो बेटियाँ दे दीं, मुझे अब उसका कोई काम नहीं है, साला पाँच मिनट में झड़ जाता है। तेरी कसम असलम मुझे ये इतना पसीना इक्कीस साल की शादी में कभी नहीं आता था।"

दो–तीन बार लंड आगे पीछे करके असलम ने फिर ज़ोर से धक्का देके लंड रूपा की चूत में घुसाया। इस बार पूरा लौड़ा अंदर घुसा तो रूपा चिल्लाने और तड़पने लगी। अपने मम्मे खुद मसलती हुई वो ज़ोर से आंहें भरने लगी। असलम बिना रुके लंड चूत में ठेलते और मम्मे मसलते हुए बोला, "मादरचोद उसकी बात तो आती रहेगी ही रंडी, तू मेरा लौड़ा और चूदाई की उससे तुलना करेगी ही ना? अब कैसे बोली कि इक्कीस साल में पहली बार ऐसा पसीना आया... वो भी आधा लंड घुसने से? तेरी माँ को चोदूँ राँड... ये सोच कि पूरा लंड घुसा कर जब जानवर जैसे तुझे चोदूँगा तब तेरा क्या हाल होगा?"

Hindi Fonts By: SINSEX

असलम का पूरा लौड़ा अंदर घुसने पर रूपा जोर से 'ओहहह आहहह ऊफ़्फ़्फ़' चिल्लाने लगी। वो खुद कमर ऊपर करके असलम के लंड से भिड़ा रही थी। असलम ने चूत आहिस्ता चोदते हुए रूपा के होंठों पे अपने होंठ दबा कर मस्ती से मम्मे मसलना शुरू किया। मम्मों से इतना खेलने से वो एकदम लाल हो गये थे। रूपा असलम को बाहों में ले कर उसको किस करके बोली, "अरे मैं तुलना करके उससे कहूँगी कि तेरे जैसे असली मर्द कैसे चोदते हैं। तू क्यों बीच में उसे लाता है, तू मेरी और अपनी बात कर ना। आज तुझे मौका मिला है तो कर ले इस जिस्म से अपने दिल की भड़ास पूरी। ऐसा मौका बार–बार नहीं आता कि मेरी जैसे गर्म चुदास औरत तेरे जैसे तगड़े चोदू मर्द के नीचे हो। हाँ ये बात और है कि तेरे जैसे मर्दों के गर्म करने पर मेरे जैसी औरतें टाँगें फ़ैला देती हैं... लेकिन गरम होने में बहुत समय लेती हैं मेरे जैसी औरतें। आहहहहह आँआँ फाड़ दिया मेरी चूत को... गधी की औलाद... भोंसड़ी वाले... चोद.... और डाआआआल अपना लौड़ाआआआ अंदर आआआआ

ओओओओआँआँआआआहहहहह।"

"ठीक है राँड अब तेरे हिजड़े पति की बात नहीं करूँगा। चोदने तक तेरी बात और उसके बाद तेरी सहेलियों और तेरी कम्सिन बेटियों की बात करूँगा। आज रात भर तुझे ऐसे ही खुली हवा में चोदूँगा रंडी की तरह... और कोई भी आये तो मेरे बाद उससे भी तुझे चुदवाऊँगा समझी? तेरी जैसी रंडी औरत को जब–जब मैं चाहता हूँ... अपने नीचे लेता हूँ, तेरी जैसी गुजराती औरतें नखरे करके और शरमाके चुदवाती हैं इससे हम मर्द बड़े गरम होते हैं। हमारी लड़कियाँ तो बस थोड़ा खेला तो गरम हो जाती हैं, तुम आराम से गरम होती हो और बेरहमी चुदा के ठंडी होती हो। मादरचोद लगता है ज़िंदगी में पहली बार लंड गया तेरी चूत में जो तू इतना चिल्ला रही है... हरामी ये तो शुरूआत है... अभी तेरी गाँड बाकी है छिनाल।"

जीभ रूपा के मुँह में घुसा कर उसके मम्मे मसलते हुए असलम ने अब उसकी चूदाई ज़ोर से शुरू की। रूपा ने थोड़ा अपने होंठ असलम के होंठों से अलग किये उसे जवाब देने के लिये और इसलिये उसने अपनी चूंची उसके मुँह में दे दी। असलम का लंड ज्यादा से ज्यादा चूत में ले कर वो पैर फ़ैला के कमर उठा कर मस्ती से चुदवाने लगी। असलम का मुँह मम्मे पे दबा कर वो बोली, "ले मेरे मम्मे चूस कर मेरे दर्द को ज़रा तसल्ली दे। असलम बहनचोद... मैं तो ऐसे चुदवाने को शादी की पहली रात से तड़प रही थी कि खुली हवा में चुदवाऊँ लेकिन मेरा पति, साले का लंड खुले में आते ही मानो ठंडा पड़ जाता है। अरे अब शुरूआत ऐसी हो चुकी है तो अंत भी बड़ा ज़ालिम होना चाहिये। मुझे ऐसा लगना चाहिये कि ज़िंदगी में पहली बार चुदी हूँ। सुन असलम गाँडू... तेरा रास मेरी चूत के एकदम अंदर डालना... मेरी बच्चेदानी पे... तभी मुझे सही में शाँति मिलेगी।"

रूपा के मम्मे पहले बच्चे की तरह चूस कर फिर जोश में आकर दोनों निप्पल बारी–बारी चूस कर, चबाते हुए पूरे लाल कर दिये असलम ने। नीचे चूत में लंड घुसा–घुसा कर रूपा को चोदते हुए असलम ने उसके मम्मे इतने चूसे कि उसके चबाने से रूपा के मम्मों से हल्का सा खून आ गया जिसे असलम ने चाट लिया। फिर मम्मे मसलते हुए असलम बोला, "रूपा तेरे जैसी गर्म माल के साथ ज़िंदगी भर खेलूँगा, तुझे अपनी राँड बना कर रखुँगा, तेरी जैसे गर्म चूत आज तक नहीं मिली। रूपा शादी के इक्कीस

साल के बनवास के बाद आज तुझे मुक्ति मिल रही है, एक असली दमदार लंड से... तेरा पति जल्दी झड़ता है... इस लिये मुझे शक है कि वो तेरी बेटियों का बाप नहीं है क्यों? बहनचोद चूदाई के अंत में तू लंड निकाल लेने के भीख माँगेगी... समझी छिनाल? बहनचोद तुझे चोदके फिर माँ बनाऊँगा और अपने बच्चे की सौतेली बहनों को और उसकी माँ को चोदता रहुँगा।"

रूपा असलम का चेहरा चूमते हुए हाथ नीचे डाल कर उसकी गोटियाँ मसल कर बोली, "अरे-अरे ये गाली मत दे उसे... उसके साथ शादी के बाद आज पहली बार किसी पराये मर्द का लंड इस चूत को नसीब हुआ है पर शादी से पहले बहुत लंड लिये हैं मैंने अपनी चूत में। आज इस चूत को फाड़ कर अपनी रस की एक भी बूँद मेरी चूत के बाहार ना जाये... ये देखना। अच्छा लेकिन ये तो बता तुझे मुझ जैसी लजीज़ माल तो कई मिली होंगी ना?"

लंड करीब-करीब बाहर निकाल कर फिर बेरहमी से अंदर ठाँसते हुए और मम्मे नोचते मसलते हुए असलम बोला, "बहनचोद तेरा चूतिया मर्द मिले तो उसकी गाँड मारूँगा, हरामी ने तेरी जैसी गरम चूत इतने दिन मुझसे जो छिपायी। तेरी माँ की चूत... साली तू तो बचपन से मेरी राँड होनी चाहिये थी। तेरी माँ को चोदूँ राँड... अपने कीमती लंड के पानी की एक भी बूँद बाहर नहीं जाने दूँगा। तेरी गरम चूत की कसम... कईं चूतें चोदीं, पर तेरी जैसी माल आज तक नहीं मिली। तेरी जैसी गरम और हर बात में साथ देने वाली चूत नसीब वाले मर्द को ही मिलती है रंडी।"

"तू मेरी चूत चोदता रह... भड़वे। तेरी गाली, मार और लंड मुझे और मस्त बना रहे हैं असलम। और ज़ोर से चोद मुझे, निकाल ले पूरी भड़ास गाँडू मेरी ये चूत चोद कर।" असलम के लंड पे शायद भूत सवार था। वो तो बेरहमी से रूपा को चोद कर उसके मम्मे मसलते हुए दबा रहा था। चूत चोदते हुए उसकी गाँड में अँगूली घुसटे हुए उसमें घुमा कर निकाल के रूपा को चाटने के लिये देते हुए वो बोला, "ये बोल आज के पहले भी मर्दों ने तुझे भीड़ में मसला होगा तो उनसे क्यों नहीं चुदी तू राँड?"

रूपा असलम की अँगूली शौकिया तौर पे एक रंडी जैसे चाट कर और फिर अपनी एक अँगूली उसके लंड के साथ अपनी चूत में डाल कर निकाल के असलम को चाटने के

लिये देते हुए बोली, "अरे कई लोगों ने मुझे क्या कई औरतों को मसला है... इसलिये तो हम औरतों को भीड़ में जाना पसंद नहीं। रही बात औरों से मसलवाने कि तो कई बार मसली गयी हूँ पर किसी में तेरे जितना दम ही नहीं था इसलिये सिर्फ़ मसलने पे ही बात खतम हुई। तू जिस हिसाब से मेरी बात माने बिना भीड़ में ब्लाऊज़ खोलने लगा... तब मैंने फ़ैसला किया कि तुझे अपने साथ आने को कहूँगी।"

रूपा की अँगूली पूरी चाट कर हल्के से चबाते हुए असलम बोला, "क्या बोलती है? तेरी जैसी गर्म रंडी औरत को भीड़ में जाना पसंद नहीं? अरे तेरी जैसी औरत को ही तो मैं भीड़ में ढूँढ कर गरम कर कर चोदता हूँ, तू मेरी ज़िंदगी में बस में मिली वैसे तीसरी चूत है। तूने भीड़ में सामने वाले को आज के पहले कितनी लिफ़्ट दी और वो कहाँ तक आया तेरे साथ?" असलम अब चूत चोदते हुए रूपा की गाँड में एक के बाद दूसरी अँगूली डालते हुए अब चूत और गाँड एक साथ चोदने लगा। रूपा पूरी मस्ती में आ कर अपनी कमर उछाल–उछाल कर चुदवाती हुई बोली, "और तेज़ भौंसड़ी के... और तेज़ डाल ना, मज़ा आ रहा है एक साथ चूत और गाँड चुदवाने में। उफ़्फ़्फ़ बड़ा ज़ालिम मर्द है तू... असलम, और चोद मुझे गाँडू।" रूपा की गाँड में तीसरी अँगूली डाल के घुमाते हुए उसकी चूत को असलम चोद रहा था। रूपा चूत में लंड घुसने की 'थप थप' की आवाज़ आने लगी और रूपा की सिसकरियाँ सुनायी देने लगी। असलम फिर निप्पल खींचते हुए बोला, "ये ले रानी और ले और ले, तेरी माँ की चूत... आज तेरी गाँड और चूत फाड़ दूँगा। बोल तूने कहाँ तक लिफ़्ट दी है मर्दों को जब उन्होंने तेरा जिस्म भीड़ में मसला... रूपा रानी?"

कमर उछाल–उछाल कर चुदवाने से रूपा के मम्मे उछल रहे थे और फचक–फचक की आवाज़ आने लगी जब असलम का लंड उसकी चूत में घुस कर बाहर निकलता क्योंकि दोनो बहुत गिले हुए थे। निप्पल खींचने से रूपा दर्द और मस्ती से बोली, "आहह आहहह और तेज़ गाँडू, मेरे जिस्म को बेरहमी से मसलते हुए चोद मेरी चूत। असलम मैंने तेरे से ज्यादा किसी को लिफ़्ट नहीं दी। लिफ़्ट तो बस भीड़ तक ही दी, जो दूसरे मर्दों ने किया, वो भीड़ में वहीं करने दिया पर तेरे सामने नंगी हो कर जैसे चुदवा रही हूँ वैसा मौका किसी भी मर्द को नहीं दिया। एक दो मर्दों ने भीड़ में ही अपना लंड पैंट की ज़िफ खोल कर बाहर निकाल कर मेरी साड़ी के ऊपर से गाँड पे रगाड़ा भी और मेरी पीठ और साड़ी पर अपना वीर्य भी छोड़ा पर मैंने चुदवाया किसी

से नहीं"
रूपा का जोश और बढ़ावा देख कर खुश हो कर असलम ने सोचा कि साली को सच में आज तक ऐसा लौड़ा नहीं मिला जो ये इतनी उछल कर चुदवा रही है। अब इसको और मज़ा दूँगा। वो रूपा की कमर पकड़ कर बोला, "सुन रंडी चूत... अब मैं नीचे आऊँगा और तू मेरे ऊपर आ कर मेरे लौड़े से तू चूत चुदवा ले अपनी... समझी रंडी?" रूपा को बाहों में पकड़ कर घूम कर उसे असलम अपने ऊपर ले कर बोला, "चल रंडी अब देखता हूँ... कितना दम है तुझ में।" रूपा के लाल मम्मों को अब और बेरहमी से मसलते हुए और निप्पल खींच कर उसे दर्द और मज़ा देते हुए नीचे से गाँड उठा कर उसके धक्कों का जवाब असलम देने लगा। इस पोज़िशन में आठ-दस धक्के खाने के बाद रूपा चूत से लंड निकाल कर घूम के अपनी पीठ असलम की तरफ कर के लंड अपनी चूत में डाल कर चुदवाने लगी। ऐसा करने से असलम को अपना लंड रूपा की चूत से अंदर बाहर होते दिखने लगा। साथ-साथ रूपा अपने मम्मे खुद दबा कर कई बार अपनी चूत को सहलाते हुए सिसकरियाँ भरती हुई चुदवाने लगी।

Hindi Fonts By:

रूपा के इस स्टाइल और बे-शर्मी से खुश हो कर असलम उसकी चूत सहलाते हुए अब आराम से उसकी गाँड में भी अँगूली करने लगा। बीच में उसके मम्मे भी खींच कर नोचते हुए वो बोला, "बहनचोद तू तो बड़ी मस्त रंडी है, क्या स्टाइल से चुद रही है राँड, ऐसा कभी देखा नहीं छिनाल, और ज़ोर से चुदवा ले रंडी, देखने दे तेरी चूत में कितनी गर्मी है छिनाल। आहहहहहह साली और ज़ोर से उछल, लंड तेरी बच्चेदानी पे टकरा रहा है या नहीं रखैल?"

SINSEX

नीचे के धक्कों से रूपा भी अब अपना पूरा ज़ोर लगा कर उछलने लगी। काफी चूदाई के बाद उसकी चूत में अब सूजन महसूस होने लगी जिसका असलम को भी एहसास हुआ। ज़ोर से उछलने और हिलने से रूपा के मम्मे हवा में झूल रहे थे और असलम उनको बेरहमी से मसल रहा था। अपनी चूत सहलाते हुए रूपा बोली, "हाँ असलम... साले! तेरा लंड मेरी बच्चेदानी पे दस्तक दे रहा है। लगता है तेरे लौड़े को मेरी गर्म चूत में झड़ कर इस चूदाई की निशानी छोड़नी है। तेरे लौड़े से चुदवाने से मेरी चूत सूज गयी है लेकिन अभी तक दिल नहीं भरा... मेरे चोदू राजा।"
रूपा के उछलते मम्मे मुठ्ठी में दबाते हुए असलम बोला, "साली रंडी अब और चोदूँगा तुझे, ये तो नॉर्मल स्टाइल हुई... अभी तुझे कुत्तिया बनाके चोदना है। तेरी जैसी गर्म

HINDI FONTS BY: SINSEX

औरत को कुत्तिया बनाके चोदने में बड़ा मज़ा आता है मुझे... रूपा छिनाल! इससे लंड को ठंडक पहुँचती है मेरे। देख मम्मे कैसे उछल रहे हैं हवा में, मादरचोद मज़ा आ रहा है तुझे चोदने में।"

अब रूपा की हालत बड़ी खराब होने लगी। इतना दर्द उसे पहले कभी नहीं हुआ था। वो कमर थोड़ी ऊपर करके अब असलम का पूरा लंड चूत में ना लेते हुए बोली, "हाँ... हाँ... तुझे मज़ा आ रहा है भड़वे! पर मेरी हवा बिगड़ने लगी है तेरे लौड़े से।"

रूपा कि कमर कस कर पकड़ कर चूत में लंड ठेलते हुए असलम बोला, "तो क्या करूँ? तुझे नीचे ले कर आखिरी धक्के मार के तेरी चूत में अपनी निशानी छोड़ जाऊँ क्या रूपा रंडी?" रूपा को अब बोलने की ताकत नहीं रही थी इसलिये वो चिल्लाते हुए बोली, "आह आहहह आहहह ओहहह माँ आहहह ओहहह माँ ममाँआँ ओहहह माँ चूत फट गयी ओहहहहह हाय गाँआँआँडू आहहहहह आहहह होओओओओ माँ।"

Hindi Fonts By: SINSEX

जानवर बनके असलम बिना रहम के उसको चोदते हुए बोला, "फटने दे रंडी, तुझे याद रहेगा कि असली मर्द के लंड से तेरी चूत फटी, ये ले... और ले... और ले साली।" बेरहमी से उसे चोदते हुए और फिर उसे अपने नीचे ले कर असलम चोदते हुए बोला, "बोल मेरी रंडी बनेगी ना? तेरी बेटियाँ देगी ना मुझे रूपा?" अब असलम का लंड पूरा का पूरा रूपा की बच्चेदानी पर धक्के देने लगा था। अपना सीना असलम के मुँह पे दबाते हुए रूपा बोली, "अरे बन गयी हूँ ना अब मैं तेरी रंडी असलम और हाँ... दूँगी तुझे अपनी बेटियाँ भी। पर क्या मेरी बेटियाँ तुझसे चुदवा सकेंगी, ये तगड़ा लौड़ा उनकी चूत फाड़ नहीं देगा राजा?"

मुँह पे आये रूपा के मम्मे चूसते हुए और कमर कस के पकड़ कर चोदते हुए असलम बोला, "नहीं ले सकी मेरा लंड तो चूत फटेगी और क्या होगा? पर असली मर्द से चूत फटने का मज़ा तो मिलेगा ना उनको? नहीं तो ना जाने कौनसे चूतियों से अपनी चूत चुदवाके अपनी जवानी बर्बाद करेंगी वो दोनों।"

रूपा असलम के बाल संवारते हुए झड़ने के करीब होने से अपना जिस्म असलम के बदन से रगड़ते हुए बोली, "ठीक है भोंसड़ी वाले! तुझे मैं अपनी बेटी को चोदने दूँगी

HINDI FONTS BY: SINSEX

HINDI FONTS BY: SINSEX

में। तूने जो मुझे चोदके मुझ पर मेहरबानी की है उसके लिये तुझे अपनी बेटी जरूर दूँगी।"

असलम भी झड़ने पे आया था। वो कस कर रूपा को पकड़ कर उसके निप्पल बेरहमी से चूसते चबाते और चूत चोदते हुए बोला, "मैं भी झड़ने वाला हूँ तेरी गरम चूत में, बहुत मज़ा आया जान, ले और ले रंडी। आहहहहहह ये ले रंडी साली मज़ा आया तुझे चोदने में रूपा।"

रूपा जैसे ही झड़ने लगी तो चिल्लाती हुई बोली, "आहहहहह आआआहहहह आँआँआँआँहहहहह मैं तो ओओओओओओ गयीईईईई ऊऊईईईई माँआँआँ आहहहह, मुझे कस कर पकड़ असलम।" रूपा की उछल कूद से जैसे ही असलम झड़ने लगा तो रूपा को कस कर पकड़ कर अपना लंड पूरा अंदर तक घुसाते हुए बोला, "ये ले छीनाआआआआल चूत आहहहहहहह क्क्याआआआआ चूत है तेरीईईईई।" असलम कस के रूपा को पकड़ कर लंड का पानी उसकी चूत में छोड़ने लगा। रूपा को वो गर्म पानी अपनी बच्चेदानी पे गिरने का एहसास होने लगा। वो गर्म-गर्म लावा उसकी चूत में जाके उसकी चूत को ठंडक देने लगा। लंड का पानी चूत को भरने लगा और चूत भरने के बाद काफी वीर्य बाहर आकर रूपा की जाँघों को गीला करता हुआ नीचे गिरने लगा। असलम निप्पल चूस कर बोला, "ले जान आआआआआहहहहहह सालीईईईई पूराआआआआ पानी ले रही है तेरी चूत रूपा छिनाल।"

रूपा ने असलम का चेहरा पकड़ कर एक ज़ोरदार चुम्मा उसके होंठों पे सटाया। रूपा अब भी हाँफ रही थी और संतोष के मारे उसकी आँखें अभी भी बंद थी। पूरा झड़ने के बाद दोनों हाँफ रहे थे। जैसे ही असलम का लंड चूत से निकला तो 'पॉप' की आवाज़ हुई और लंड निकालने के बाद चूत में वीर्य बाहर बहने लगा। रूपा की ब्रा से चूत साफ़ करके असलम उठ कर घुटनों पे खड़ा हो कर लंड रूपा के होंठों के पास लाते हुए बोला, "मेरे इस मुस्टंडे लंड को कैसे साफ़ करेगी रूपा राँड?" लंड रूपा के होंठों पे घुमाते हुए असलम आगे बोला, "ले रंडी चाट के साफ़ कर मेरा लंड... छिनाल रूपा।" रूपा थकान की वजह से यंत्रवत अपनी जीभ बाहर निकाल कर असलम का लंड चाटने लगी। असलम हौले-हौले अपना लंड रूपा के मुँह में डाल के साफ़ करते हुए बोला, "अच्छे से चूस कर साफ़ कर रंडी, ये तेरे हिजड़े पति का लौड़ा नहीं है, तेरे यार का

HINDI FONTS BY: SINSEX

HINDI FONTS BY: SINSEX

लौड़ा है। ठीक से साफ़ कर इसे।"

रूपा के पूरा लंड चाट कर साफ़ करने के बाद वो दोनों उसी खुली हवा में थकान से निढाल हो कर लेट गये।

****

उस रात असलम से चुदवाने के बाद रूपा सहेली के घर जाने की बजाय वापस अपने घर गयी। उन फटे और गंदे कपड़ों में सहेली के घर जाती तो सहेली को पक्का शक हो जाता। फटे ब्लाउज़ में बिना ब्रा के सीने को गंदी साड़ी में लपेट कर, साड़ी बिना पेटीकोट के पैंटी पर बाँध कर वो घर आयी। असलम रूपा को घर तक छोड़ने गया था। रूपा की बेटी सो रही थीं इसलिये उसे कुछ तकलीफ नहीं हुई घर में।

Hindi Fonts By: SINSEX

६-७ दिन के बाद वो असलम से मिलने उसके घर गयी। चुदाई के बाद जब वो असलम की बांहों में पड़ी थी तो असलम ने उसकी बेटियों के बारे में पूछा। मुस्कुराते हुए रूपा बोली, "तू मेरी बेटियों के बारे में जानने के लिये बेताब है... यह मैं जानती हूँ असलम... तो सुन, मेरी एक बेटी हॉस्टल में पढ़ती है और दूसरी घर में रहती है। श्वेता इंजीनियरिंग में है और नीता बी.कॉम कर रही है। मैंने तुझसे वादा किया था तो अब निभाने का समय आया है। बोल कैसे करना चाहता है तू चुदाई का खेल मेरी नीता के साथ?"

असलम ने प्लैन पहले ही सोच कर रखा था। रूपा के मम्मों से खेलते हुए वो बोला, "चल कोई बात नहीं, सिर्फ़ नीता भी मिली तो कोई गम नहीं, मौका मिला तो श्वेता को भी चोदूँगा। सुन रूपा तू एक काम कर, अपने घर में मुझे तू अपने मायके का फैमली फ्रेंड बना कर रख। २-३ दिन में घर के लोगों का टाइमिंग ऑबज़र्व कर के प्लैन बनाऊँगा।"

रूपा ने असलम की यह बात मानी और कुछ ही दिनों में असलम को अपने घर में मुँह बोला भाई बना के ले आयी। रूपा का पति और बेटी ने रूपा की बात मान कर असलम का स्वागत किया। नीता को देखके ही असलम का लंड उठने लगा। वो बीस साल की

HINDI FONTS BY: SINSEX

जवान लड़की एक दम उसकी माँ का रूप थी। वहीं रंग, वहीं चेहरा, वहीं आँखें, वैसा ही गठीला जिस्म, बत्तीस के कड़क मम्मे, पतली कमर और गोल गाँड। सलवार कमीज़ और ऊँची हील की सैंडल में नीता का वो रूप देख कर असलम उसे देखता ही रह गया। असलम ने नोटिस किया कि नीता उसको अजीब नज़र से देख रही थी। उस नज़र से असलम समझ गया कि नीता को अपनी जवानी का एहसास है और वो भी मर्द का साथ चाहती है।

इन दिनों में असलम ने देखा कि नीता उसे कई बार ध्यान से देखती थी। वो जब वक्त मिले तब असलम से बात करने बैठ जाती। असलम भी यही चाहता था और वो भी दिल खोल कर नीता से बातें करता था। बात करते वक्त वो नीता का पूरा जिस्म निहारता और नीता भी बिना कोई डर या शरम के उसके सामने बैठ कर बात करती थी। प्लैन के मुताबिक असलम ने घर के लोगों का टाइमिंग ऑबज़र्व किया। रूपा का पति सुबह जा कर रात में ही आता था और नीता का दोपहर का कॉलेज होता था इसलिये वो सुबह घर में ही रहती थी। यह सब देख कर असलम ने प्लैन बनाया और रूपा को बताया। असलम का प्लैन सुन कर रूपा खुश हुई और प्लैन के मुताबिक चलने का वादा किया। उन ५–६ दिनों में असलम रोज़ दोपहर को रूपा को चोदता था। नीता के कॉलेज जाने के बाद शाम तक यह मस्ती चलती रहती थी। हालांकि असलम खुद शराब नहीं पीता था पर उसने रूपा को शराब पीने की आदत डाल दी। शराब पी कर रूपा नशे में और भी मादकता से चुदवाती थी।

Hindi Fonts By:
SINSEX

दूसरे ही दिन सुबह पति के काम पर जाने के बाद जब नीता नहाने गयी तो रूपा और असलम एक दूसरे की बांहों में आ गये। लूँगी के ऊपर से असलम का लंड पकड़ कर रूपा ने कहा, "असलम, आज तुझे मैं अपनी नीता दे रही हूँ। मुझे पता है कि मेरी बेटी गर्म है। मुझे कई बार उसके बिस्तर के नीचे खीरा–काकड़ी मिली है। बाथरूम में अभी चूत में अँगूली कर रही होगी। तू उसे अब खूब चोद और उसे भी जवानी का मज़ा दे।"

रूपा को नीचे बिठा कर अपना लंड उसके होंठों पे रख कर असलम बोला, "तू अब उसकी चिंता मत कर मेरी रंडी, उसे तो खूब मस्ती से चोदूँगा मैं। मुझे पता है तेरी बेटी है तो वो गर्म चूत तो होगी है।"

बाथरूम के दरवाजे के बाहर नीचे बैठ कर रूपा असलम का लंड चूसने लगी और असलम की–होल से बाथरूम में नीता को देखने लगा। नीता को नहाते देखने के ख्याल से और रूपा द्वारा लंड चूसने से वो यह सोच कर गर्म हुआ कि, 'है तो साली बीस साल की पर जिस्म एक भरी हुई औरत जैसा है।' असलम ने यह भी सोचा कि यह भी उसकी माँ जैसी ही गर्म और नमकीन होगी बिस्तर में। की–होल से असलम ने देखा कि कपड़े निकाल कर नीता अपना नंगा जिस्म आइने में देखती हुई सहला रही है। घूम कर अपनी गाँड, सीना और चूत को देख कर नीता उनको सहलाने लगी। असलम का लंड नंगी नीता को देख कर और गर्म हो गया जिसे रूपा मस्ती से चूस रही थी। कितनी हरामी औरत थी यह रूपा जो अपने यार को अपनी नंगी बेटी का जिस्म दिखा कर उसका लंड चूस रही थी। अब असलम ने देखा कि नीता अपने मम्मे मसलते हुए साबून से अपनी चूत को भी सहलाने लगी। ऐसा करते वक्त वो अपनी आँखें बंद कर रही थी और अपने होंठों को अपने दाँतों से दबाती थी। नीता बार–बार अपनी चूत में अँगूली भी कर रही थी। उसकी गुलाबी, बिना झाँटों वाली चूत गीली थी। अँगूली से वो दाना दबा कर सिसकरियाँ भरती और दूसरे हाथ से मम्मे मसलती हुई आँखें बंद करके मस्ती कर रही थी। यह सब देख कर असलम ने रूपा के मम्मे मसलते हुए उसका मुँह चोदना शुरू किया। उसने सोचा कि यह साली अपनी माँ पर गयी है, गर्म माल है, काटे पर आयी है, थोड़ा और गरम करो, इसकी शरम हटाओ तो चुदवाने को तैयार होगी। वैसे भी प्लैन के मुताबिक घर में सिर्फ़ हम दो हैं और उसकी रूम लॉक है जिससे उसे सिर्फ़ टॉवल में ही बाहर आना है। १०–१५ मिनट उस कमसिन जवानी का नंगा नज़ारा देख कर असलम का लौड़ा एक दम गर्म हो गया। अब उसने रूपा को उठाया और जाने के लिये बोला। रूपा नीता का रूम लॉक करके कहीं बाहर चली गयी। नीता का रूम बाथरूम के पास ही था, इसलिये वो नहाने जाते वक्त अपने बाकी सब कपड़े बिस्तर पर निकाल कर रख कर सिर्फ़ टॉवल में नहाने गयी थी। जैसे ही नीता का नहाना हुआ और उसने टॉवल लपेट लिया तो असलम आ कर सोफ़े पर बैठ गया।

नीता जब बाथरूम से टॉवल लपेट कर बाहर आयी तो असलम को देख कर शर्मा गयी पर फिर हल्की मुस्कुराहट दे कर अपने कमरे के पास गयी। कमरे का दरवाजा लॉक देख कर वो हॉल क्रॉस करके अपनी माँ के बेडरूम की तरफ़ गयी। जब वो असलम के सामने से गुजरी तब असलम उसका गीला जिस्म बड़े ध्यान से देखते हुए आँखों में भरने लगा। माँ को बेडरूम में ना पा कर नीता वहीं से चिल्लायी, "माँ... ओ... मम्मा मेरे

HINDI FONTS BY: SINSEX

कपड़े तो देना। कहाँ हो तुम मम्मी?"

आँखों के कोने से असलम नीता को देखने लगा। गीले गोरे जिस्म पर लाल टॉवल लिपटा था, बाल और जिस्म भीगे हुए थे, गोरी टाँगें घुटनों के थोड़े ऊपर तक नंगी नज़र आयी उसे। पूरा हुस्न देख कर असलम बोला, "क्या हुआ नीता? क्यों इतनी ज़ोर से चिल्ला कर अपनी माँ को बुला रही हो तुम?" असलम को अपना भीगा जिस्म देखते देख कर नीता ज़रा शरमा कर कमरे में जा कर बोली, "अंकल मम्मी कहाँ है? उसको कहो ना मेरे रूम में आये।"

असलम बोला, "अरे रूपा तो कुछ काम से बाहर गयी है, वो बोली थी की एक घंटे में आऊँगी, तुम को क्या काम है बोलो?" यह सुन कर नीता धीरे से बोली, "ओफ्फ ओह उसको भी इसी समय जाना था? अब मेरे कपड़े? क्या करूँ मैं? क्या पूरा घंटा सिर्फ़ यह टॉवल लपेटे रहूँ?" असलम अब उसके रूम में आ कर नीता को पूरी तरह देखते हुए बोला, "क्या हुआ तेरे कपड़ों को बेटी? क्यों परेशान है तू?"

Hindi Fonts By: SINSEX

असलम को अचानक रूम में देख कर नीता पर्दे को अपने आप पर लपेट कर बोली, "ओहह अंकल आप क्यों आये यहाँ? अंकल मॉम ने आपको चाबियाँ दी हैं मेरे वार्डरोब की?" नीता की अदा पर मुस्कुराते हुए असलम बोला, "अरे क्या हुआ? अब तेरी माँ मुझे चाबियाँ क्यों देगी? आखिर हुआ क्या है जो इतनी परेशान हो गयी है तू बेटी?"

"देखो ना अंकल... उससे बोला था कि वार्डरोब में से कपड़े निकाल कर जाओ। उसने कपड़े भी नहीं रखे और चाबियाँ भी नहीं हैं। अब क्या मैं ऐसे बैठूँ उसके आने तक?" असलम ने नीता के माथे पर पसीना देखा। असलम रूपा के बिस्तर पे बैठ कर वहाँ पड़ी मैगज़ीन देखते हुए बोला, "अरे हाँ यह तो सही है बेटी, पर अब किया भी क्या जा सकता है? अब तेरी माँ आने तक तुझे ऐसे ही बैठना पड़ेगा।"

नीता सोच में डूब गयी और उसके हाथ से पर्दा छूट गया। असलम अब एक दम पास से टॉवल में लिपटी नीता को देखने लगा। टॉवल काफी छोटा था, बड़ी मुश्किल से नीता की जाँघों से शुरू हो कर उसके मम्मों के ऊपर तक आया था। नीता का कम्सिन गीला जिस्म, टॉवल के ऊपर से झाँक रहे मम्मे, उसकी गोरी टाँगें, उसका रूप देख कर

HINDI FONTS BY: SINSEX

HINDI FONTS BY: SINSEX

असलम का लंड लूँगी में उछलने लगा। नीता के सीने पे नज़र गड़ा कर वो बोला, "बोल बेटी मैं कैसे मदद करूँ तेरी? वार्डरोब तोड़ डालूँ क्या तेरे लिये बेटी?"

नीता को असलम की बात और नज़र से ख्याल आया कि वो टॉवल में असलम के सामने खड़ी है पर अब वो बिना झिझक उसी हाल में रूम में घूमते हुए सोचने लगी। कमरे में घूमते वक्त उसकी नज़र असलम के तने हुए लौड़े पर पड़ी। वो असलम के लंड की तरफ़ देख कर बोली, "नहीं... नहीं वार्डरोब ना तोड़ो अंकल... लेकिन कुछ सोचो ना अंकल।" नीता की नज़र अपने लंड पर देख कर अंजान बन कर असलम अपने पैर थोड़े और खोलते हुए बोला, "एक काम कर सकते हैं बेटी अगर तू हाँ बोले तो। चाहे तो मेरी शॉर्ट्स और बनियान पहन सकती है तू बेटी।" असलम को अजीब नज़रों से देखते हुए नीता बोली, "क्या आपकी शॉर्ट्स और बनियान पहनूँ मैं?"

नीता के पास जा कर असलम बोला, "हाँ, क्यों? कोई प्रॉब्लम है तुझे? या तुझे इस टॉवल में ही रहना है नीता?" नीता ज़रा सोच कर बोली, "पर अंकल... वो मैं... ठीक है दे दो अपनी शॉर्ट्स और बनियान मुझे।" नीता का हाथ पकड़ कर अपने रूम में ले जा कर असलम ने उसे एक दम छोटा बनियान और छोटी सी शॉर्ट्स दी। नीता शॉर्ट्स और बनियान देख कर दंग हो गयी। शॉर्ट्स पे जगह–जगह दाग लगे थे और बनियान भी बड़ी छोटी साइज़ का था। दोनों कपड़े देख कर नीता बोली, "यह कपड़े अंकल? यह शॉर्ट्स तो बिकिनी से भी छोटी है, बनियान कितना छोटा और टाइट है अंकल।"

असलम नीता के हाथ से कपड़े ले कर बिस्तर पर फ़ैलाते हुए बोला, "बेटी अब हमारे पास कोई और चारा भी तो नहीं है, देख कम से कम इससे तेरे बदन पे कपड़े तो होंगे ना? भले ये कपड़े छोटे हैं पर तेरी इस टॉवल से अच्छे हैं, चल वो शॉर्ट्स और बनियान पहन ले जल्दी।"

और कोई रास्ता नहीं था तो नीता कपड़े उठाने के लिये झुकी। जैसे ही वो झुकी, उसका टॉवल खुल गया। नीता ने झट से टॉवल से वापस अपना जिस्म ढक लिया पर तब तक उसने असलम को अपने नंगे जिस्म का पूरा नज़ारा दिखा दिया था। वो टॉवल बाँध कर, कपड़े उठा कर ज़रा शर्माते हुए बोली, "उफ्फ, इस टॉवल को भी अभी गिरना था क्या? पर अब ठीक है... क्या करें? ये कपड़े तो पहनने ही पड़ेंगे... नहीं तो टॉवल

HINDI FONTS BY: SINSEX

HINDI FONTS BY: SINSEX

बार–बार खुलेगा। लेकिन अंकल यह दाग धब्बे कैसे हैं इस शॉर्ट्स पर?" नीता के पूरे नंगे जिस्म की झलक देख कर असलम का लंड और तन गया। होंठों पे जीभ घुमा कर मुस्कुराते हुए वो नीता के पास आ कर टॉवल की गाँठ पक्की करते हुए बोला, "वो दाग काहे के हैं... बाद में बताऊँगा तुझे बेटी, पर एक बात अभी सुन, तू बिना कपड़ों के बड़ी मस्त दिखती है बेटी, दिल करता है तेरा टॉवल बार–बार निकल जये।" असलम की बात से नीता एक दम फीकी पड़ गयी और शरमा कर अपने रूम में कपड़े लेकर दौड़ गयी। दरवाज़ा बंद करके बिना लॉक किये वो टॉवल निकाल कर असलम के दिये हुए कपड़े पहनने लगी। सिर्फ़ दो कपड़ों में वो खुद को आइने में देख कर शर्माते हुए फिर बाहर आयी।

नीता को उन कपड़ों में देख कर असलम खुश हुआ। शॉर्ट्स से सिर्फ उसकी गाँड ढकी थी, गोरी टाँगें साफ़ झलक रही थी, बनियान नाभी तक आया था और टाइट होने से मम्मे उभरे हुए दिख रहे थे और नीता के कड़क निप्पल भी असलम को साफ़ दिख रहे थे। गोल घूम कर नीता को उन तंग कपड़ों में ढका जिस्म देख कर वो बोला, "वाह बेटी क्या अच्छी दिखती हो इन कपड़ों में तुम। कसम से... इतनी मस्त लड़की आज तक देखी नहीं मैंने बेटी।" नीता बार–बार बनियान नीचे खींचती हुई अपनी नाभी को ढकने की कोशिश कर रही थी।

Hindi Fonts By: SINSEX

सोफ़े पे बैठ कर वो बोली, "क्या अंकल आप भी ना? कैसी बात करते हो? मुझे शरम आ रही है आपकी बातों से।" नीता के सामने बैठ कर उसका कम्सिन जिस्म निहारते हुए असलम बोला, "नीता अगर तुझे लड़कों ने इस ड्रेस में देखा तो टूट पड़ेंगे तुझ पर, तेरी जैसी मस्त लड़की उन्होंने कभी देखी नहीं होगी और ना देखेंगे। मैं झूठ नहीं बोल रहा हूँ बेटी, ऐसी कम्सिन लड़की को इतने तंग कपड़ों में लड़के देखेंगे तो ना जाने क्या करेंगे तेरे बदन के साथ।"
अब और भी शर्माते हुए नीता ने अपनी नाभी छुपाने के लिये बनियान नीचे खींची। पर इससे असलम को उसका आधे से ज्यादा क्लीवेज दिखने लगा। दुविधा में फंसी नीता बोली, "हुम्म जाने दो ना अंकल... आज सुबह से आपको कोई मिला नहीं? ऐसे कपड़े पहन कर क्या कोई लड़की बाहर जायेगी? यह तो आज माँ बाहर गयी है... इसलिये मैंने पहने हैं घर में यह कपड़े... नहीं तो मैं कभी नहीं पहनूँगी यह कपड़े।"

HINDI FONTS BY: SINSEX

असलम अपनी टाँगें फ़ैला कर अंजान बनते हुए लंड को मसलता हुआ नीता का क्लीवेज देख कर बोला, "अरे नीता तेरी जैसी सैक्सी लड़की कसम से आज तक ना दिखी ना मिली। तेरी बात सच है कि तू बाहर नहीं जायेगी ऐसे कपड़े पहन कर पर घर में जो मर्द हैं वो अपने पर काबू कैसे रख पायेंगे तेरा यह कम्सिन जिस्म इन कपड़ों में देख कर नीता बेटी?"

नीता ने शरमा कर बनियान अपने सीने पे खींचा जिससे उसकी नाभी नंगी हो गयी। असल में नीता को मर्द का साथ चाहिये था। जबसे उस पर जवानी आयी और जबसे मर्द उसको अजीब नज़रों से देखने लगे थे, तबसे वो मर्दों से अपनी तारीफ़ सुनने को लालियत हो गयी थी। जब कोई लड़का उस पर फ़िकरा कसता या भीड़ में कोई उसका बदन छूता तो उसे अच्छा लगता था। वो चुदाई के बारे में सब जानती थी। जब तक श्वेता यहाँ थी वो दोनों बहनें अक्सर चुदाई की बातें करती थीं पर जबसे श्वेता हॉस्टल गयी तबसे वो अकेली पड़ गयी थी। अब जबसे असलम घर में आया था, उसकी नज़रों से नीता समझ गयी थी कि यह मर्द उसे चाहता है। वो भी असलम पर पहली नज़र में फ़िदा हो गयी थी। इसलिये वो असलम से खूब बातें करती और आज भी बिंदास हो कर वो सिर्फ़ शॉर्ट्स और उस छोटी सी बनियान में उसके सामने बैठी थी। आज असलम अगर कुछ करना चाहे तो नीता ने फ़ैसला किया था कि वो झूठा नाटक करेगी पर उसे सब करने देगी। आज उसकी माँ भी घर में नहीं थी तो उसे कोई डर भी नहीं था। अपनी नंगी टाँगें सहलाती हुई नीता बोली, "क्या आप भी ना अंकल? अब जाने दो मेरी बात, आपने इन धब्बों की वजह नहीं बतायी, कैसे लगे यह धब्बे यहाँ अंकल?" यह पूछते हुए नीता ने अपनी टाँगें खोल कर अँगूली अपनी चूत के ऊपर शॉर्ट्स पे लगे धब्बे पे रखी।

असलम आ कर नीता के पास बैठ गया। नीता के जवाब और हर्कत से वो समझ गया कि नीता शर्माने वाली लड़की नहीं है। वो जवानी में कदम रखती हुई ऐसी लड़की है जो मर्द का साथ चाहती थी। नीता के कंधे पर हाथ रख कर नज़र उसकी चूत और मम्मों पर बारी–बारी घुमाते हुए असलम बोला, "अरे इतनी क्या जल्दी है बेटा, सब होने के बाद बता दूँगा। मेरी बात का जवाब दे बेटी, तुझे ऐसे देख कर घर का यह मर्द अपने आप पे काबू कैसे रख सकता है? ऐसा कसा हुआ गोरा जिस्म इतने कम कपड़ों में देख कर मेरी तो हालत मस्त हो रही है बेटी।"

असलम के स्पर्श से नीता सिहर गयी। उसे मर्द का स्पर्श तो अच्छा लगा पर शर्माते हुए वो बोली, "क्या अंकल आप भी? मैं तो आप की बच्ची जैसी हूँ और आप यह कैसी बात कर रहे हैं मुझसे? यह सब बातें जाने दो, चलो टीवी देखते है हम।" नीता ने रिमोट ले कर टीवी ऑन किया। रिमोट लेने के बहाने नीता और असलम में लड़ाई शुरू हुई। नीता ने घूम कर रिमोट छुपाया और असलम पीछे से उसे दबोचते हुए रिमोट लेने की कोशिश करने लगा। नीता ने बी रिमोट नहीं छोड़ा तो असलम रिमोट लेने के बहाने नीता का जिस्म अपनी बांहों में ले कर दबाने लगा। इससे नीता की गाँड पर उसका लंड रगड़ रहा था। इस खींचा तानी में उसने नीता के सीने पर भी हाथ फिराया। नीता के कड़क मम्मे छू कर असलम खुश हो कर बोला, "बोला ना टीवी मत लगाओ, हम सिर्फ़ तेरी बात करेंगे। नीता बेटी माना मेरी उम्र अभी ४३ की है पर मेरी कोई लड़की तो है ही नहीं तो तू मेरी बेटी की उम्र की कैसे हो सकती है?"

Hindi Fonts By: SINSEX

असलम का लंड गाँड पे रगड़ने और मम्मे मसलने से नीता एक दम सिहर गयी। अपनी गाँड और मम्मों पे असलम का कड़क लंड और उसके हाथ उसे अच्छे लगे। वो असलम की बांहों से छूटने की कोई कोशिश ना करते हुए बोली, "ओह अच्छा! वैसे अंकल आप ४३ के नहीं लगते, आप तो अब भी ३५–३६ के लगते हो। वो सब जाने दो, देखो अब टीवी ऑन करो नहीं तो मैं आप से नहीं बोलूँगी और रूम में चली जाऊँगी अंकल।"

नीता की तरफ़ से कोई विरोध ना पा कर असलम उसे और कस कर पकड़ कर लंड पर दबाते हुए और दूसरे हाथ से मम्मे मसलते हुए बोला, "हाँ मेरी उम्र की बात जाने दे, अब सिर्फ़ तेरी बात करेंगे हम। तुझे मैंने रूम में जाने दिया तभी तो जायेगी ना तू? वर्ना मेरी बांहों से कैसे निकल कर जा सकती है... बता मुझे? वैसे भी उस बेकार टीवी से अच्छा तो हमारा यह लाइव चैनल है समझी?" नीता को अपने जिस्म से हो रहा यह खिलवाड़ अच्छा लग रहा था। उसने रिमोट साइड में रख दिया पर फिर भी असलम ने उसे छोड़ा नहीं। उसके मसलने से अब नीता के मम्मे और कड़क हो कर निप्पल भी तन गये। वो बिना कुछ किये बोली, "क्या? लाइव चैनल? वो कौनसा अंकल?"

असलम अब बनियान में हाथ डाल कर नीता के नंगे मम्मे सहलाने लगा। उसके निप्पल

आराम से सहलााना और गाँड पे लंड रगड़ना उसने जारी रखा। नीता के नंगे कड़क निप्पल से खेलते हुए असलम बोला, "लाइव चैनल कौनसा है वो बताऊँगा तुझे बेटी, सब्र कर। यह बता कि कितने लड़के तुझ पर मरते हैं? तेरा रूप देख कर मरने वालों की कमी नहीं होगी ना? कोई खास पीछे पड़ा है तेरे?" नीता अब और गर्म हो गयी थी। वो जो चाहती थी वो मिल रहा था उसे। असलम की बांहों में बिना हिले मस्त होती हुई वो बोली, "हाँ एक पूरा ग्रुप है लड़कों का, उसका लीडर है सबीर, सब के सब मुस्टंडे हैं, सबीर, केतन, कैलाश और नईम। पूरा ग्रुप पीछे पड़ा है मेरे और बहुत छेड़ता भी है।"

हल्के से दूसरा मम्मा भी मसलते हुए असलम बोला, "ओह अच्छा... ४–४ लड़के पीछे पड़े हैं तेरे? वैसे भी तू है इतनी मस्त कि कोई भी तेरे पीछे पडेग़ा। नीता तू दिखती ही है इतनी मस्त है कि कोई भी लड़का तुझ पर मर मिटे। क्या छेड़ते हैं तुझे? उनमें से कोई पसंद है तुझे बेटी?" दोनों मम्मे मसलने से नीता बेहद गर्म हो गयी पर अब उसे ज़रा शरम भी आ रही थी। असलम की बांहों से छूटने का नाटक करती हुई वो बोली, "आप मुझे छूयें मत ऐसे अंकल। प्लीज़ मुझसे दूर बैठ कर बात करो। शी मुझे नहीं कोई पसंद कोई उन लड़कों में से, सबके सब मवाली जैसे हैं। पता नहीं कॉलेज वालों ने कैसे एडमिशन दिया उनको।"

Hindi Fonts By: SINSEX

नीता को और कस कर पकड़ कर एक हाथ मम्मों पे रख के दूसरे हाथ से नीता का नंगा पेट मसलते हुए असलम बोला, "हा हा... अरे तेरी जैसी मस्त लड़की को छेड़ने के लिये ही एडमिशन लिया होगा उन्होंने। अच्छा यह बता कि क्या छेड़ते हैं तुझे वो लड़के?"

नीता को यह मस्ती अच्छी लगने लगी पर नाटक करते हुए वो झपट के असलम के चुंगल से खुद को छुड़ा कर अब उसके सामने सोफ़े पे बैठ कर बोली, "अंकल जाओ मैं आपसे नहीं बोलती। आप भी उन लड़कों जैसे छेड़ रहे हो, वो लड़के मुँह से छेड़ते हैं और आप हाथ से। वो लोग तो बहुत गंदा–गंदा बोलते हैं, वो सुन कर तो कान का कचरा भी निकल जाये, ऐसा तो कोई बोल ही नहीं सकता।"

असलम अब कहाँ मानने वाला था। वो उठ के नीता के पास आ कर बैठ कर उसकी गोरी नंगी टाँगों को सहलाते हुए बनियान में बंद मम्मे ऊपर से हल्के से मसलते हुए

बोला, "अरे नीता हम मर्दों का काम ही होता है चिकनी मस्त लड़कियों को छेड़ना, अब देख तेरी माँ को हम लोग बहुत छेड़ते थे पर तेरी माँ कभी गुस्सा नहीं होती थी। बोल वो मवाली लड़के क्या छेड़ते हैं तुझे? क्या बोलते हैं तेरी यह गदरायी गोरी जवानी देख कर?"

नीता ने फिर असलम का हाथ अपने जिस्म से हटाया। उसकी माँ को भी ऐसे छेड़ने की बात सुन कर नीता को अजीब फ़ीलिंग आयी। वो जानती थी कि उसकी माँ सुंदर है पर यह नहीं पता था कि मर्द उसे भी छेड़ते थे। असलम का हाथ हटा कर वो वहीं बैठ कर बोली, "क्या? आप मॉम को छेड़ते थे? कौन–कौन थे तुम लोग जो मॉम को छेड़ते थे और क्या छेड़ते थे?"

असलम फिर हाथ उसकी जाँघ पे रख कर बनियान के नीचे हाथ डाल कर बोला, "हाँ नीता तेरी माँ को बहुत छेड़ा है मैंने इसलिये तेरी माँ पहले मुझसे गुस्सा थी लेकिन अब नहीं। तू बता वो लड़के क्या बोलते हैं तुझे, मैं किसी को नहीं बताऊँगा समझी... और उसके बाद तुझे बताऊँगा कि हम लड़के तेरी माँ को कैसे छेड़ते थे।"

असलम के हाथ को बिना रोके नीता बोली, "ना अंकल मैं... वो लोग जो बोलते हैं वैसा कभी बोल ही नहीं सकती। आप सोचो वो लोग कैसा बोलते होंगे कि में आपको उनकी बात का एक भी शब्द नहीं बता सकती। बड़े गंदे और नालायक लड़के हैं वो।" नीता की जाँघ पकड़ कर उसे अपने पास खींच कर उसकी बनियान की नेक से उसके साफ़ दिख रहे मम्मों पे अँगूली फेरते हुए असलम बोला, "अब बेटी वो क्या बोलते हैं यह मुझे समझा तो ही मैं कह सकुँगा ना कि वो कितनी गंदी बात करते हैं तेरे बारे में। देख मैं तेरे बड़े भाई जैसा हूँ, तू बता मुझे दिल खोल कर वो क्या बोलते हैं तुझे, बिल्कुल शरमा मत मेरी नीता।"

नीता थोड़ी पीछे हटी लेकिन इतना भी नहीं कि असलम का हाथ उसे छू ना सके। अपनी गोरी जाँघों पे खुद हाथ घुमाते हुए वो बोली, "नहीं ऐसा नहीं अंकल, मैं नहीं बोल सकती। आप तो कह रहे थे कि आप लोग मम्मी को छेड़ते थे... तो आप को तो पता होना ही चाहिये। आप क्या बोल कर छेड़ते थे मेरी मम्मी को?"

असलम जान गया था कि नीता यह सब चाहती है इसलिये उसे पकड़ कर अपनी गोद में बिठा कर असलम लंड उसकी गाँड पे रगड़ते हुए बोला, "अरे नीता तेरी माँ को तो हम ‘क्या माल है? आती क्या आज रात मरे घर? घोड़ा देखना है क्या मेरी पैंट में छुपा हुआ? आती क्या मेरे घोड़े पे सवारी करने? तेरा हॉर्न बजाने दे ना’ ऐसा बोलते थे। तेरी माँ पहले शर्मायी पर फिर हमें देख कर मुस्कुरा कर के जाती थी... अब तू बोल वो लड़के क्या बोलते हैं तुझे?"

नीता की नंगी गोरी जाँघ मसलते हुए असलम उसकी नेक किस करने लगा। इस बात पे नीता बड़ी मचली। उसका जिस्म मस्ती से भरने लगा। वो एक मादक अँगड़ायी ले कर बोली, "अंकल प्लीज़ छोड़ो मुझे, आप क्यों मेरा जिस्म सहला रहे हो। और यह जो आप माँ को छेड़ते थे वो तो कुछ भी नहीं, वो लड़के इससे भी गंदा बोलते हैं।"

एक हाथ से नीता की गोरी जाँघें और दूसरे से सीना सहलाते हुए नेक किस करते हुए असलम बोला, "देख नीता, जब तक तू मुझे नहीं बताती कि वो लड़के क्या छेड़ते हैं तुझे, मैं तुझे नहीं छोड़ूँगा, ऐसे ही तेरा जिस्म सहलाता रहूँगा। तूने अगर मुझे सब बताया तो तेरी माँ को हम तीन लड़कों ने कैसे मस्ती से छेड़ा था वो तुझे बताऊँगा।"

Hindi Fonts By: SINSEX

नीता फिर असलम से दूर हो कर पास की सोफ़ा कुर्सी पर जाते हुए बोली, "उम्म्म अंकल देखो मैं कहती हूँ मुझे मत छूना। मुझे अजीब सा लगता है आपका छूना। वो लोग बहुत गंदा बोलते हैं अंकल मेरे जिस्म के बारे में। वो मुझे देख कर बोलते हैं कि मैं कितनी गोरी हूँ, मेरी मक्खान जैसी टाँगें हैं, टाँगें ऐसी हैं तो जाँघें कैसी होंगी, और अगर जाँघों का यह हाल है तो अंदर की जन्नत तो कैसी होगी। ओह नीता रानी एक बार तेरी उस नंगी जन्नत की सैर करवा दे हमें। एक साथ ४–४ खंबे देंगे तुझे रानी, बोल आती है क्या हमारे साथ। यह सब बोलते हैं वो लड़के अंकल। छी, यह सब सुन कर मुझे बहुत शरम आती है अंकल।"

असलम नीता के पास आ कर उसे खड़ी करके फिर मम्मे सहलाने लगा। नीता को उकसाने के लिये जिससे वो खुल कर सब बताये, असलम बोला, "अरे तो इसमें क्या गंदा बोलते हैं? गोरी टाँगें और जाँघें क्या गंदा है? वैसे भी देख तू गोरी है तो गोरा तो बोलेंगे ही ना? मैंने तेरा बाकी जिस्म देखा है अब बस अंदर की जन्नत देखनी है तेरी।

मुझे लगा कुछ और गंदा बोलते हैं जैसे तेरी माँ को हम बोलते थे, पर यह छेड़ छाड़ का बोलना तो बड़ा आम बोलना है बेटी।"

नीता ने फिर असलम का हाथ अपने जिस्म से हटा कर सोफ़ पे आकर टीवी ऑन किया। टीवी पे अब उदिता गोसवामी और इमरान हशमी का गाना चल रहा था। गाना देखते हुए वो बोली, "नहीं–नहीं अंकल, वो लोग दूसरी लड़कियों को तो ऐसे नहीं छेड़ते। कभी भी अगर मैं टी–शर्ट पहन कर जाऊँ तो वो लोग मेरी साइज़ देख कर मेरे पास से गुजरते हुए मेरी ब्रा की साइज़ के बारे में ऊँचे सुर में बातें करते हैं, जैसे कि मेरी ब्रा के साइज़ के बारे में शर्त लगाते हैं और कई बार तो ऐसा बोलते हैं कि इतनी उम्र में इतने बड़े कैसे हो गये, कितनों ने मसला है तुम्हें?"

टीवी पे चल रहा सैक्सी गाना देख कर असलम और गरम हो गया और अब पीछे से नीता को पकड़ कर वैसे ही किस करते हुए बोला, "तो तूने अपनी ब्रा का साइज़ बताया ना उनको? बेचारे कितने दिन से पूछ रहे हैं ना तेरा साइज़? वैसे नीता तुझे किसी ने मसला है क्या? मतलब तेरे इन मम्मों को मसला है कभी?" बनियान के नीचे हाथ डाल कर मम्मे सहलाते हुए असलम आगे बोला, "यह बता उन लड़कों में कौनसा लड़का तुझे सबसे ज्यादा पसंद है और कौन सबसे ज्यादा छेड़ता है?"

Hindi Fonts By: SINSEX

असलम का हाथ बनियान से खींचते हुए नीता बोली, "उफ़्फ़्फ़, प्लीज़ हाथ निकालो ना अंकल। मुझे उन लड़कों में से कोई पसंद नहीं है... सब के सब मवाली हैं साले पूरा दिन कॉलेज के बाहर सिगरेट या फिर गुटखा खाते रहते हैं। अपनी ब्रा की साइज़ थोड़ी किसी लड़के को बताऊँगी मैं? वो तो सिर्फ़ मेरा पति ही जानेगा शादी के बाद और अब मेरी मम्मी जानती है। मैंने तो किसी को नहीं बताया।"

असलम का हाथ ज़ोर से खींचने के चक्कर में बनियान फट गया और नीता के दोनों मम्मे नंगे हो गये। नीता ने अपना सीना शरम से छुपा लिया। असलम वैसे ही नीता को गोद में उठा कर उसका नंगा सीना और क्लीवेज किस करते हुए अपने बेडरूम में ले जाते हुए बोला, "क्या नीता, तूने इतना ज़ोर से हाथ खींचा कि बनियान फट गया, अब मैं कल क्या पहनुँगा बेटी? मुझे लगता है कि तू झूठ बोल रही है नीता, तुझे उन लड़कों में कोई एक तो पक्का पसंद है जो तू हर दिन उनके ताने सुन कर गुजरती है।

HINDI FONTS BY: SINSEX

वैसे शादी के पहले माँ और बाद में पति... इन दोनों के बीच में लड़की अपनी ब्रा का साइज़ अपने बॉय फ्रेंड को भी बताती है... समझी नीता?"

असलम के मुँह से अपना सीना बचाते हुए नीता बोली, "आपको तो बाद में कल पहननी है अंकल, मैं अब क्या पहनूँ? क्या मम्मी के आने तक यह फटी बनियान पहनूँ?" नीता को बेड पे लिटा कर उसके हाथ हटा कर असलम उसके पास लेट कर निप्पल से खेलते हुए बोला, "जाने दे नीता, तू यही फटी बनियान रहने दे, इससे तुझे लगेगा तेरे जिस्म पे कपड़े हैं और मुझे तेरा जिस्म दिखेगा भी। वैसे तूने बताया नहीं कि कितने लड़कों ने तेरा यह जिस्म सहलाया है और तुझे उन लड़कों को अपनी ब्रा का साइज़ बताने में क्यों शरम आती है?"

नीता को पहली बार मर्द के सामने अपना नंगा सीना दिखाने और निप्पल को मर्द से मसलवाने में मज़ा आने लगा था। वो असलम को रोके बिना बोली, "तो क्या करूँ मैं? उनको सामने से जवाब दूँ? और दूँ भी तो क्या जवाब दूँ? कि मेरी ब्रा का साइज़ ३२ है और ब्रा के कप भी के हैं? प्लीज़ अंकल आप मेरे जिस्म को मत छूना, मुझे गुदगुदी होती है। और वो मेरे सीने का दाना ऐसे क्यों मसल रहे हो आप? अंकल आपने बताया नहीं कि आप मम्मी को कैसे छेड़ते थे?"

Hindi Fonts By: SINSEX

नीता के हाथ हटा कर उसका सीना पूरा नंगा देख कर असलम झुक कर बारी-बारी उसके निप्पल खूब अच्छे से चूसते हुए बोला, "अरे वाह, यह अच्छा किया जो तूने कम से कम मुझे तो अपनी ब्रा और कप का साइज़ बता दिया नीता। बेटी इसे जवानी का खेल बोलते हैं, हम जैसे मर्द तेरी जैसी गर्म सैक्सी मस्त लड़की के साथ यह खेल खेल कर सिखाते हैं। बोल कि जब मैं तेरा यह सीने का दाना मतलब निप्पल किस करता हूँ तो अच्छा लगता है ना तुझे? तेरी माँ के साथ खेल कर उसे भी मैंने यह खेल ठीक से खेलना सिखाया है। तेरी माँ की बात थोड़े समय के बाद बताऊँगा, पहले यह बोल कि कितने लड़कों ने तेरा यह जिस्म छुआ है रानी?"

पहली बार मर्द से निप्पल चूसवाने से नीता बड़ी गर्म हो गयी। वो हल्कि सिसकरियाँ भरते हुए बोली, "हाँ बड़ा अच्छा लगता है जब आप निप्पल चूसते हो तो... अंकल! प्लीज़ पूरा लो ना और पूरा, मेरी पूरी चूचियाँ चाटो ना अंकल। आज आप मुझे जवानी

HINDI FONTS BY: SINSEX

का पूरा खेल सिखा देना जैसे मेरी मम्मी को सिखाया है। अंकल मेरी चूंची चूसते हुए बता दो कि आपने मम्मी को यह खेल कैसे सिखाया। अंकल मुझे उन लड़कों में से कोई भी पसंद नहीं, वैसे उन लड़कों के साथ यह करने का मन कैसे हो? उन गुंडे मवालियों से क्या मुँह लगना? हाँ भीड़ का फायदा ले कर लड़के कभी–कभी मेरा जिस्म सहलाते हैं, मेरा सीना और पिछवाड़ा दबाते हैं और पिछवाड़े पे रगड़ते हैं... बस उतना ही लड़कों से संबंध हुआ है और कुछ नहीं।"

उसकी पूरी चूचियाँ चाट कर और निप्पल चूसते हुए असलम अब नीता के ऊपर बैठ गया। उसका लंड नीता की चूत पे था और नीता के निप्पल से खेलते हुए वो झूठी कहानी बताने लगा, "ओके नीता... अब सुन... तेरी माँ को यह खेल मैंने कैसे सिखाया। पहले तेरी माँ को हम सिर्फ़ छेड़ते थे... जब वो रासते से गुजरती थी। जब तेरी माँ की शादी फिक्स होने की खबर मिली तो उस बात पे हमने उसे छेड़ा। तब उसने मुझे गाली दी, मुझे गुस्सा आया तो दूसरे दिन शाम को मैंने और रमेश ने उसे सूनी गली में पकड़ कर तेरी माँ को हमने खूब सहलाते हुए गालियाँ दी, यहाँ तक कि २–४ झापड़ भी मारे, उसका शर्ट खोल कर मम्मे मसले, स्कर्ट ऊपर करके चूत रगड़ कर उसमें अँगूली भी की। हम तेरी माँ को चोदने वाले थे पर तेरी माँ बहुत गिड़गिड़ाते हुए रोयी कि उसकी शादी फिक्स हुई है और हम उसे माफ़ करें। तेरी माँ पे रहम खा कर हमने उसे जाने दिया पर उसके बाद शादी होने तक तेरी माँ को हम बुलाते थे तो वो आती थी और हम तेरी माँ को खूब मसलते थे। तेरी माँ हमसे इतनी डर गयी थी कि हमारे लंड भी चूसती थी। उन १–२ महीनों में तेरी माँ को खूब मसला मैंने और बहुत बार लंड चुसवाया उससे। तेरी माँ से सिर्फ़ लंड चुसवाया पर आज तुझे लंड खिला कर तेरी चूत में घुसा के तुझे जवानी का पूरा खेल सिखाऊँगा।"

Hindi Fonts By: SINSEX

असलम द्वारा उसकी माँ के बारे में बतायी बात सुन कर नीता जल्दी से वो फटी बनियान अपने जिस्म पे ओढ़ कर फटी आँखों से असलम को देखने लगी। उसकी माँ को जिस हिसाब से असलम अंकल और उनके दोस्त ने मसला था वो सुन कर उसकी चूत और गीली हो गयी। बनियान को अपने सीने पर लपेटते हुए वो बोली, "क्या बात करते हो? मम्मी तो आपको कितनी इज़्ज़त देती है और आपने ऐसा किया था उनके साथ? उन्होंने आपको सहन भी किया? अंकल आपने बहुत ज्यादती की है मेरी मम्मी के साथ, शी... कितने गंदे काम करवाये, कितना ज़लील किया उसे और कितना दर्द दिया बेचारी को।"

नीता के हाथ से फटी बनियान खींच कर उसे दूर फेंक कर अब नीता के नंगे मम्मे मसलते हुए असलम बोला, "इसमें कैसी ज्यादती नीता? तेरी माँ मस्त आईटम थी तब भी और अब भी है, साली अब भी देख कैसे मेंटेंड रखा है उसने अपना जिस्म। एक बात है नीता तेरी माँ जैसे लंड आज तक किसी ने नहीं चूसा, क्या मस्ती और लगन से चूसती है रूपा। अरे उसकी शादी नहीं हुई होती तो मैं भगा कर ले जाता उसे और तेरे बाप से भी ज्यादा चोदता रहता उस माल को।"

असलम अब नीता को खिंच कर अपनी गोद में बिठा कर उसके मम्मे मसलने लगा। नीता भी गर्म हो कर अपनी गाँड उसके लंड पे दबाने लगी। अपनी माँ की बात सुन कर उसे बड़ा अच्छा लग रहा था। इसका मतलब था कि उसकी माँ जिसे वो एक अच्छी औरत मानती थी वो तो कई मर्दों से अपना जिस्म मसलवा चुकी थी और कितने ही लंड चूसे थे उसने। नीता को ज़रा भी शक नहीं हुआ कि असलम झूठ बोल रहा था। अपनी माँ की रंगीन करतूत सुन कर नीता और गर्म हुई और वो असलम के गले में हाथ डाल कर असलम का चेहरा किस करती हुई बोली, "ज्यादती तो है ही ना? आपने उसे डरा धमका कर सब कुछ करवाया और कोई लड़की मस्त लगे तो उसका मतलब यह थोड़े ही है कि उसको डरा धमका कर उससे वो काम करवाओ जो वो चाहती ना हो। अब आप ही देखो ना, आपने कितनी बार मेरी बनियान उतार दी पर अभी तक मुझे यह नहीं बताया कि आप की निक्कर पर यह सब दाग कैसे हैं। वैसे अंकल, क्या माँ का फ़िगर शादी से पहले भी ऐसा ही था जैसा आज है?"

Hindi Fonts By: SINSEX

एक हाथ से नीता के मम्मे मसलते हुए और दूसरे हाथ से पहले उसे कस कर अपने लंड पे दबाते हुए असलम अब नीता की गोरी जाँघें सहलाता हुआ बोला, "नीता जब तेरी माँ जैसी गर्म लड़की हमारे सामने रानी बन कर चलेगी तो हम उसके साथ ऐसे ही ज्यादती करते हैं... हमें हमेशा तेरी माँ जैसे लड़की हमारे नीचे चाहिये होती है। देख रानी अपनी सब बात होने के बाद तुझे बताऊँगा कि दाग कैसे लगे। तेरी माँ की फ़िगर शादी के बाद और अच्छी हुई है, साली के मम्मे और पिछवाड़ा एकदम उभर आया है। वैसे नीता तुने भी अभी तक मुझे खुल कर बताया नहीं कि वो लड़के क्या छेड़ते हैं और कहाँ टच करते हैं तेरा यह जिस्म?"

नीता भी अब गर्म हो गयी थी और उसने असलम का टी–शर्ट उतार दिया। वो असलम

की तरफ़ घूम कर उसकी गोद में बैठ गयी। अब वो दोनो सिर्फ़ शॉर्ट्स में थे। उस बड़ी उम्र के मर्द की बांहों में नीता बेशर्म हो कर बैठी थी। असलम का पूरा चेहरा किस करते हुए नीता बोली, "रानी बन कर चले मतलब कैसे चले? मैं कुछ समझी नहीं। शादी के बाद अच्छी हुई मतलब क्या शादी से पहले मम्मी का सीना कैरम जैसा था? खुल कर बताओ ना अंकल। अंकल देखो मैंने आपको बताया कि वो लोग क्या बोल कर छेड़ते हैं, रही बात कहाँ टच करते हैं... वो तो मैं उनको करने नहीं देती। हाँ कॉलेज से छूटते वक्त वो लोग भीड़ का बहुत फायदा उठाते हैं... आगे पीछे मुझे कवर करके मेरी छाती और मेरी जाँघों को सहलाया करते हैं।"

असलम अब नीता की चूत पे अपना लंड रगड़ने लगा। उसे लगा नहीं था कि यह कमसिन लड़की इतनी गर्म माल होगी। यह तो साली अपनी माँ से भी गर्म थी। आखिर एक गर्म औरत की बेटी भी उसके जैसी गर्म ही होगी... यह सोच कर असलम नीता के कड़क मम्मे ज़रा मस्ती से मसलते हुए बोला, "रानी बन कर मतलब... ऊँची ऐड़ी की सैंडल पहन कर गाँड ठुमकाते हुए, नाक चढ़ा कर, हम लोगों को चूतिया समझ कर चलती थी... इसलिये उसको सज़ा दी। कैरम बोर्ड नहीं... तेरी माँ शादी के पहले मस्त माल थी, सीना तेरे जितना उभरा था... आज सीना ज्यादा बड़ा हुआ है पर उसके मम्मों में झुकाव नहीं है ज़रा भी। एक दम टाइट मम्मे हैं साली के और गाँड भर गयी है, लगता है तेरा बाप रूपा की गाँड में पेलता होगा ज्यादा। वैसे भी शादी के पहले हम दोस्तों ने तेरी माँ के मम्मे खूब मसले थे जिससे शादी के वक्त तक तेरी माँ का सीना काफी उभर आया था। जब तेरी जाँघ और छाती मसलते है वो लड़के तो कैसा लगता है तुझे नीता?"

Hindi Fonts By: SINSEX

नीता अब खुद असलम के लंड पे अपनी चूत रगड़ते हुए बोली, "हाँ अंकल, आप सच बोलते हो क्योंकि कुछ दिन पहले जब मैंने माँ की शादी की फोटो देखी थीं तो मुझे ऐसा लगा था कि दरसल वो मेरी ही तसवीरें हैं। उस वक्त का माँ का बदन वैसा ही दिख रहा था जैसे आज मेरा है। आपको बहुत मज़ा आता होगा ना माँ को मसलने और उससे मस्ती करने में? अंकल लड़कों के सहलाने से तो मुझे अच्छा लगा पर उनका बोलने का ढंग जरा भी नहीं, एक दम जंगली हैं वो लड़के, लड़की को बस हवस की नज़र से देखते हैं। रही बात कि मम्मी और डैड क्या करते होंगे... यह पता नहीं... पर मैंने कहीं पढ़ा है कि प्रेगनेंनसी के बाद लेडीज़ की बैक साईड फ़ूल जाती है और

मम्मी को तो टिवन्स हुई थीं... इसलिये उनका पिछवाड़ा इतना बड़ा हुआ होगा।"

नीता की कमर में हाथ डाल कर उसे अपने लंड पे दबाते हुए असलम अब नीता के मम्मों को मसलते और निप्पलों से खेलते हुए बोला, "अरे नीता तेरी माँ का सीना १४ साल में ही उभर गया और शादी के छः महीने पहले से हमने खूब मसला था उसे, कई बार तो हम एक साथ दो-तीन लड़के मसलते थे तेरी माँ को... दो-दो घंटे और वो हमारे लंड चूसती थी। मसलने से उसका सीना एक दम लाल हो जाता और निप्पल दर्द करते। तेरी माँ हमसे और ना मसलने की भीख माँगने लगती थी पर हम उसकी कोई बात नहीं मानते थे बल्कि और ही मसलते थे। बेटी मुझे पता है कि प्रेगनेंनसी के बाद औरत की गाँड फूलती है लेकिन गाँड को बार-बार लंड से चोदने से भी गाँड फूलती है जैसे तेरी माँ की फूली है। अगर तेरा बाप नहीं तो कोई और तेरी मस्त माल मां... रूपा की गाँड में लंड पेलता होगा, कुत्तिया बना कर चोदता होगा तेरी माँ को। अब बेटी वो लड़के क्या बोलते हैं वो तूने बताया लेकिन इससे क्या ज्यादा गंदा बोलते हैं जिससे तू उनको जंगली कहती है... यह नहीं बताया, कुछ भी बोलते होंगे मुझे खुल कर बता सब नीता।"

Hindi Fonts By: SINSEX

नीता अब असलम को ज़रा भी रोक नहीं रही थी। वो चाहती थी कि असलम अंकल आज उसे चोद डालें। वो अपनी माँ के बारे में इतना गंदा सुनने के बाद और गर्म हो गयी थी। अब अंकल से पूरी बात बताने का निश्चय करते हुए वो असलम का मुँह अपने निप्पल पे दबाती हुई बोली, "वेल अंकल... मुझे शरम आती है बोलने में पर फिर भी बताती हूँ। वो लड़के जो बोलते हैं ना वो बहुत गंदा है अंकल। मेरे जिस्म के बारे में कहते हैं कि कितनी गोरी और मक्खन जैसी टाँगें हैं, टाँगें ऐसी हैं तो जाँघें कैसी होंगी और अगर जाँघों का यह हाल है तो अंदर की जन्नत तो कैसी होगी? वो यह भी बोलते हैं कि नीता की बहन और माँ भी एक दम मस्त हैं, इन तीनों को एक साथ नंगी करके मस्ती करनी चाहिये। वो और बोलते हैं कि नीता की माँ सबसे मस्त है, एक साथ उस चुदक्कड़ राँड को चोदना चाहिये, एक आगे से, एक पीछे से और तीसरा उसके मुँह में देना चाहिये। श्वेता को भी ऐसे ही छेड़ते थे वो और अब वो हॉस्टल गयी तो मुझे अकेली को छेड़ते हैं। वो लड़के लोग तो यह भी कहते हैं कि इस नवरात्री में हम माँ-बेटी उनके मोहल्ले में जा कर उनके डाँडिया लेकर डाँडिया खेलें। यह सब सुन कर मुझे बहुत शरम आती है अंकल... पर यह सब सुन कर मैं गर्म भी हो जाती हूँ। कई

HINDI FONTS BY: SINSEX

बार उन्होंने भीड़ में मेरा पूरा जिस्म मसला है, वो चारों एक साथ आगे पीछे और साईड में आते हैं और मेरे जिस्म का जो हिस्स जिसे मिले, वो मसलने लगते हैं। मुझे अच्छा लगता है उनसे मसलवाना इसलिये मैं भी रेज़िस्ट नहीं करती उनको।"

नीता के जवाब से असलम का लंड और कड़क हो गया तो वो नीता की एक चूंची चूसने और दूसरी को मस्ती से मसलने लगा। नीता का नंगा जिस्म सहलाते हुए वो बोला, "अरे नीता बेटी, वो लड़के सच ही तो बोल रहे हैं। तुम तीनों माँ–बेटी हो ही इतनी मस्त कि हम मर्दों का लंड तुम्हें देखते ही खड़ा हो जाये। कसम से मेरी भी अब तमन्ना है कि रूपा, तुझे और श्वेता को एक साथ नंगी देखूँ। उफ़्फ़्फ़ बहनचोद साली देख तेरी यह जवानी देख कर मेरा लंड कैसे खड़ा है। यह अच्छी बात है कि चार–चार लड़के एक साथ तुझे मसलते हैं नीता... इससे तू ज्यादा से ज्यादा मर्दों के साथ चुदाई कर सकेगी।" नीता का हाथ अपने लंड पे दबाते हुए असलम आगे बोला, "ले बेटी, तू भी अपनी माँ जैसे मेरा लौड़ा सहला। मेरा लंड सहला कर बता कि मेरा डाँडिया कैसा है रानी? खेलेगी इसके साथ? श्वेता को भी खूब मसलते होंगे ना लड़के? कभी किसी लड़के का डाँडिया छुआ था तूने जान?"

Hindi Fonts By: SINSEX

असलम का गर्म लौड़ा सहलाना नीता को बड़ा अच्छा लगा। वो शॉर्ट्स के ऊपर से लंड को खूब ज़ोरों से मसलते हुए सिसकरियाँ भरने लगी। असलम के मुँह में अपनी चूंची और दबाते हुए वो बोली, "उफ़्फ़्फ़्फ़ अंकल कितना अच्छा लग रहा है आपका डाँडिया मसलने में। सच बोलो अंकल मेरे और मम्मी के जिस्म में सबसे अच्छा किसका जिस्म है? वेल... मम्मी का किसी के साथ पोस्ट मैरिटल लफ़ड़ा है... यह तो मैं मान नहीं सकती। अंकल सच बोलूँ तो आपका यह डाँडिया देख कर मुझे मेरी कॉलेज याद आ गयी। जब हम कॉलेज से छूटते थे तब बहुत भीड़ होती थी और यह मुस्टंडे मेरे आगे पीछे होते थे। जो पीछे वाला लड़का होता वो अपना लंड मुझसे सटा के रख कर पूछता था कि कैसा है मेरा लंड नीता? तो मैं भी जवाब देती थी कि बाहर निकाल कर दिखा तो सही... काला है कि गोरा। ऐसे एक बार उन लड़कों ने मुझे और श्वेता को भीड़ में पकड़ कर वही सवाल किया तो मैंने भी वही जवाब दिया। मेरा जवाब सुन कर शाम को नुक्कड़ के एक कॉर्नर में ले कर उन तीनों ने अपने लौड़े बाहर निकाले। ओह माँ, कितने काले और लंबे थे... उनके लंड मुँह पे गीले भी थे। उन्होंने हमे उनके लंड सहलाने को दिये और उस दिन हमें खूब मसला। मुझे तो बहुत मज़ा आया पर श्वेता डर गयी थी।

HINDI FONTS BY: SINSEX

HINDI FONTS BY: SINSEX

अब भी यह लड़के मुझे देखते हैं और बुलाते हैं पर मैं कभी–कभी ही जाती हूँ और उनसे अपना जिस्म मसलवाती हूँ। अंकल उन लड़कों के लंड से आपका लंड बड़ा है और गर्म भी ज्यादा है।"

नीता की कहानी सुन कर असलम खुश हुआ। नीता को गोद में उठा कर वो खड़ा हुआ और अपनी शॉर्ट्स निकाल दी। अब असलम मादरजात नंगा था। नीता उसका लौड़ा देखती रही। इतना लंबा, मोटा और टाइट लंड वो पहली बार देख रही थी। असलम शॉर्ट्स के ऊपर से नीता की कम्सिन चूत मसलते हुए उसका हाथ अपने लंड पर रख कर बोला, "बहनचोद तू बड़ी मस्त लड़की है, इतना मसलवाया अपना जिस्म उन लड़कों से और अब बता रही है। तेरी माँ हम दो दोस्तों के साथ मस्ती करती थी और तू ३ लड़कों के साथ करती है। मज़ा तो खूब मिलता होगा ना तुझे रानी? श्वेता इतनी से बात से डर गयी? ज्यादा से ज्यादा क्या होता? वो लड़के लोग उसे चोदते ही ना और क्या करते? वैसे भी तू और तेरी बहन जैसी गर्म लड़कियाँ हमारी रंडी बनने के लिये पैदा होती हैं, कुछ जल्दी बनती हैं जैसे तेरी माँ... कुछ लेट जैसे श्वेता बनेगी। नीता, सच बोलूँ... जान तो तेरी माँ से अच्छी तू है क्योंकि तू कम्सिन चूत है, तेरी माँ ने ना जाने कितने लंड लिये होंगे पर तू पहला लंड लेने वाली है... वो भी मेरा लंड। उन लड़कों को तूने अच्छा जवाब दिया रानी और यह भी अच्छा हुआ कि उन लड़कों ने तुम बहनों को अपने लौड़े दिखाये। नीता जब वो तेरी गाँड पे लंड रगड़ते या तू हाथ से उनके लंड मसलती तो तुझे इच्छा नहीं होती लंड चूत में लेने की? अपनी जवानी उनके हवाले क्यों नहीं की? अरे बेटी तेरी माँ का शादी के बाद भी बाहर लफ़ड़ा चलता है। कई बार मैंने तेरी माँ को तुम्हारे नौकर के साथ बेडरूम में रंग रलियाँ मनाते देखा है। तेरी माँ बड़ी चुदक्कड़ है समझी? आजकल तो दारू पी कर मस्त हो कर चुदवाती है। साली नीता तू मेरी जान है, अब देख मैं नंगा हुआ हूँ... क्या तू अपना यह सैक्सी जिस्म नंगा करके नहीं दिखायेगी मुझे जान?"

नीता असलम का लंड दोनों हाथों से मसलने लगी। अंकल ने उसे मस्त गर्म किया था। वैसे भी वो किसी लड़के से चुदवा लेती लेकिन असलम का लंड देख कर उसे यकीन हुआ कि उन लड़कों में किसी का भी लंड असलम अंकल जितना नहीं था। असलम का लंड मस्ती से मसलते हुए नीता बोली, "अंकल, आपने इतनी औरतों को चोदा है तो आप जानते ही हैं कि हर जवान लड़की को अपना जिस्म मसलवाने का दिल करता

HINDI FONTS BY: SINSEX

HINDI FONTS BY: SINSEX

है, सब चाहती हैं कि कोई उनकी जवानी की प्रशंसा करते हुए उसके साथ कोई मर्द खेले। आखिर यह जवानी सिर्फ आइने में देखने ले लिये तो है नहीं। अंकल मैं लंड तो लूँगी आपका लेकिन अभी थोड़ा रुको। मैं चाहती हूँ कि मेरी पहली चुदाई बड़े आराम से हो, आप मुझे और मैं आपको पूरा गर्म करेंगे और बाद में आप मुझे चोदो। अंकल मैंने कई बार चाहा कि उन लड़कों में किसी से चुदवा लूँ पर फिर हम माँ–बेटियों के बारे में वो इतनी गंदी बात करते थे कि मूड ऑफ हो जाता और मैं इरादा बदल देती। उसके बाद मैं कई दिन उनसे नहीं मिलती पर जब जिस्म नहीं मानता तो जा कर उनसे फिर मसलवा लेती हूँ। और वो जो नौकर की बात आप करते हैं अंकल... तो वो बड़ा हरामी है। मैं जानती हूँ कि मम्मी उससे चुदवाती है। मैंने भी कई बार उनको चुदाई करते देखा है। एक बार जब पापा ने उनको रंगे हाथ पकड़ा तो मम्मी ने पापा को बताया कि नौकर का दिमाग फिरा है और वो ज़रा पागल है। बेचारे पापा, मम्मी की बात सच समझ बैठे और इज़्ज़त की वजह से बात दबा दी। इससे अब मम्मी को पूरी आज़ादी मिल गयी और वो अब भी उस नौकर से चुदवाती है।"

Hindi Fonts By: SINSEX

नीता से लंड सहलवाते हुए असलम अब नीता की शॉर्ट्स में हाथ डाल कर उसकी नंगी गाँड मसलने लगा। नीता के मुँह से उसकी माँ की सच्चाई जान कर असलम को अच्छा लगा। अब एक हाथ नीता की गाँड पे और दूसरा उसकी नंगी चूत पे रख कर असलम बोला, "हाँ बेटी, मैं जानता हूँ कि औरत कितनी भी पतिव्रता हो पर किसी मर्द के मसलने से गर्म हो कर अपनी टाँगें उसके सामने फ़ैला देती है जैसे तेरी माँ और अब तू। तुझे तो चोदने में बड़ा माज़ आयेगा। खूब गर्म करके मस्ती से चोदूँगा तुझे बेटी। तेरी माँ अब इतनी रंडी बनने वाली थी... यह अगर तब पता होता तो साली को शादी के पहले ही चोद डालता मैं। नीता तेरी माँ को एक–दो बार मैंने उस नौकर से चुदवाते देखा है। साली क्या मस्ती से लेती है उसको अपने ऊपर और दारू के नशे में कितनी मस्ती से चुदवाती है तेरी रंडी माँ उससे। कसम से नीता आज तुझे चोद कर बाद में श्वेता को भी चोदूँगा। तुम बहनों को बड़ी बेरहमी से एक साथ चोदना चाहिये।"

अपनी नंगी चूत पे असलम का हाथ नीता को बड़ा अच्छा लगा। अब सिर्फ़ नाम के लिये उसके जिस्म पे शॉर्ट्स थी। असलम शॉर्ट्स में हाथ डाल कर उसकी चूत और गाँड सहला रहा था। वो भी जोश में आकर असलम का लंड और गोटियाँ मसलते हुए बोली, "हाँ अंकल मम्मी तो बड़ी चुदक्कड़ है। जब पापा कभी काम से टूर पे जाते हैं तो

HINDI FONTS BY: SINSEX

मम्मी उस नौकर के साथ रात भर रहती है उनके बेडरूम में। अंकल आप आज मुझे और जब मौका मिले तो श्वेता को भी ज़रूर चोदना। वो उन मवालीयो से डरती है पर आप जैसे मर्द से नहीं डरेगी... वैसे भी हॉस्टल में पता नहीं क्या गुल खिलाती होगी।"

असलम ने अब जोश में आकर नीता की शॉर्ट्स उतार दी। दोनों अब बिल्कुल नंगे थे। असलम का लंड प्री–कम से गीला था और नीता की चूत भी गीली थी। असलम नीता की गीली चूत को हाथ से मसलते हुए बोला, "हाँ साली नीता, मुझे तू, श्वेता और रूपा, तीनों पसंद हो। तेरी माँ को तो खूब चोदा.... मतलब मसला, तुझे आज मसलके चोदूँगा... अब रही सिर्फ़ श्वेता तो उसे भी चोदूँगा जब वो हॉस्टल से आयेगी छुट्टियों में।"

जोश में असलम बोल गया कि उसने रूपा को चोदा है और यह बात नीता ने भी अच्छे से सुन ली। असलम का चेहरा थोड़ा टेंस हो गया और नीता के चेहरे पर खुशी छा गयी। उसे जो इतने दिन से बात पता थी उस बात को असलम ने मान लिया था। असलम के मुँह से सब बात सुनने के बाद नीता बड़ी बेताब हो गयी। वो खुद असलम के बिना बोले नीचे बैठ कर एक बार उसका का लंड पूरा मुँह में ले कर चूसने के बाद नशीली आँखों से असलम को देखते हुए बोली, "क्या बोले आप अंकल? आपने मेरी मम्मी को चोदा है? कब चोदा है बताओ? नवरात्री में, होली में या कभी और? कब चोदा है मम्मी को... बोलो अंकल? अब छुपाने से कोई फायदा नहीं... देखो आपकी चोरी पकड़ी गयी है अब। अंकल मैंने आपको सब बताया और अब आपसे चुदवाने वाली भी हूँ तो आप भी बताओ कि माँ को कब चोदा आपने? अंकल आपका लंड तो बहुत तन गया है, मेरी चूत भी गर्म है, आप मम्मी की बात बताओ और फिर मेरी चूत चोदो।"

असलम समझ गया कि अब उसे पूरी बात बतानी होगी। वो नीता को बेड पर बिठा कर अपना लंड उसके होंठों पे रख कर बोला, "ठीक है बेटी... मैं तुझे पूरी बात बताता हूँ पर तब तक तू मेरा लंड चूसती रह।" नीता ने मुँह खोल कर असलम का लंड मुँह में लिया और उसे चूसने लगी। नीता के बालों पर हाथ फेरते हुए और उसका मुँह हल्के से चोदते हुए असलम बोला, "हाँ नीता, यह सच है कि मैंने तेरी माँ को चोदा है। यही नहीं... मैं तेरी माँ को १०–१२ दिन के पहले जानता भी नहीं था। मैंने उसे पहली बार

HINDI FONTS BY: SINSEX

कुछ ही दिन पहले बस में गर्म करके चोदा था। उस चुदाई की कीमत में तेरी माँ मुझे उसके मायके का मुँह बोला भाई बना कर घर में लायी, तुझे चुदवाने के लिये। इसके लिये तेरी माँ ने मुझसे अपने पैर और सैंडलों के तलुवे तक चटवाये। यहाँ तक कि जो नौकर की बात मैंने बतायी वो झूठी थी। हर दोपहर को मैं ही तेरी माँ को दारू पिला कर चोदता था। तू भी झूठ बोली ना कि तूने उसे नौकर के साथ चुदवाते हुए देखा है?"

नीता ने लंड चूसते हुए आँख मरते हुए यह बताया कि उसने भी वो नौकर की कहानी झूठी बनायी थी। लंड को अच्छे से चूसते हुए वो बोली, "हाँ अंकल मैंने आपको उक्साने के लिये झूठ बोला था। असल में तो मैंने आपको दो-तीन बार मम्मी को चोदते हुए देखा था। और जब आपक लंड देखा तब मैंने आप से चुदवाने का फ़ैसला किया। अंकल मैं यह भी जानती हूँ कि आज आप मुझे चोद सकें इसलिये ही मम्मी ने मेरा रूम लॉक किया और बाहर गयी जिससे मैं आपके सामने करीब-करीब नंगी रहूँ और आपसे चुदवाने में टेंशन ना हो मुझे। अंकल... पर आपको बताना पड़ेगा कि आपने मम्मी को बस में कैसे छेड़ा था और फिर माँ कैसे आपसे चुदवाने के लिये तैयार हुई। बताओ ना मम्मी आपकी गिरफ़्त में कैसे आयी?"

Hindi Fonts By: SINSEX

हल्के से निप्पल मसलते हुए असलम ने शुरू से नीता को उसकी माँ की चुदाई की पूरी दास्तान सुनायी। असलम की पूरी बात सुन कर नीता अब और गर्म हो गयी। जिस हिसाब से असलम ने उसकी माँ को बस की भीड़ में सहला कर गर्म करके फिर चोदा... वो सुन कर नीता उसका लंड और मस्ती से चूसने लगी। असलम आंहें भरते हुए, नीता के बालों में हाथ घुमाते हुए हल्के-हल्के उसका मुँह चोद रहा था। नीता की कम्सिन जवानी मसलते हुए और उसे अपना लंड चुसवाने में असलम को बड़ा अच्छा लग रहा था। नीता का चेहरा सहलाते और उसके बालों में हाथ घुमाते हुए असलम उसका मुँह चोदते हुए बोला, "आहहहहहह साली... रंडी रूपा की छिनाल बेटी, बड़ा अच्छा लग रहा है मुझे तेरा मुँह चोदना। खूब मस्त चूसती है तू लौड़े को नीता, ऐसा ही मज़ा आया था जब तेरी माँ ने मेरा लौड़ा चूसा था, पर तू कम्सिन है, अनचुदी है... इसलिये और अच्छा लग रहा है मेरी रंडी नीता, ऐसे ही चूसती रह अपने असलम अंकल का लौड़ा।" नीता एक हाथ से अपने बाल चेहेरे से हटाते हुए और दूसरे हाथ से असलम के लंड को हिलाते हुए, लंड चूसती हुई वो बार-बार असलम की तरफ़ ऊपर देखती और असलम के चेहरे पर छायी खुशी देख कर और मस्ती से लंड चूसने

HINDI FONTS BY: SINSEX

लगती।

अपना लौड़ा अच्छे से चुसवाने के बाद असलम ने नीता को खड़ा किया और उसे बांहों में भर कर उसके होंठ चूमने लगा। नीता के मम्मे असलम के चौड़े सीने पर पूरी तरह दब गये थे और नीता का हाथ अब भी असलम के लौड़े पर था। नीता के हाथ से अपना लौड़ा छुड़ाते हुए असलम ने फिर नीता को बेड पे लिटाया। साँसों की तेज़ी से नीता का सीना उछल रहा था और इससे उसके मम्मे बड़ी मस्ती से ऊपर नीचे हो रहे थे। इतने टाइट और गोल मम्मे असलम ने आज तक नहीं देखे थे। असलम मन–ही–मन में अल्लाह का शुक्रिया अदा कर रहा था कि उसने इतनी कम्सिन लड़की को उसके सामने नंगी रखा था ताकि वो उसे चोद सके।

सामने लेटी नंगी नीता के पूरे जिस्म पे असलम हाथ फेरने लगा। असलम का हाथ नीता की आँखों, होंठ, गाल, गर्दन, मम्मों से भर सीना, नंगा पेट, नीता की गोल और गहरी नाभी सहलाते हुए अब नीता की बिना झाँटों की चिकनी चूत पर आया। असलम के सहलाने से नीता अब मस्ती से आहें भरती हुई बोली, "उफ़्फ़्फ़ अंकल, कितना अच्छा लग रहा है आपका ऐसे मेरा नंगा जिस्म सहलाना। आहहहहहह उफ़्फ़्फ़्फ़्फ़ और सहलाते जाओ अंकल, जो मज़ा आपने मम्मी को दिया उससे ज्यादा मज़ा चाहिये मुझे।" यह कहते हुए नीता अपनी कमर उठा कर असलम के हाथ पे अपनी चूत रगड़ने लगी। असलम को भी मज़ा आ रहा था इस कम्सिन लड़की के जिस्म से खिलवाड़ करने में। असलम नीता को पूरी तरह गरम कर चुका था पर अभी नीता की चूत चोदने का वक्त नहीं आया था उसके हिसाब से। असलम नीता के मुँह से चुदवाने की बात सुनना चाहता था।

फिर एक बार ऊपर होकर असलम अब नीता के नंगे जिस्म को सहलते हुए चूमने लगा। नीता की आँखों से हो कर, गाल, होंठ, नेक, दोनों निप्पल चूमते हुए उसके मम्मे चाट कर नीता के पेट को चाटने के बाद असलम जीभ नीता की नाभी में डाल कर, नाभी को जीभ से खोदने लगा। नीता एक दम गर्म हो कर, ज़ोरों से साँसें लेती हुई और आहें भरती हुई खुद के मम्मे मसलने लगी। असलम उसे ऐसा मज़ा दे रहा था जो उसने सपने में भी नहीं सोचा था। नीता तो जैसे स्वर्ग में थी असलम के खिलवाड़ से। नीता की नाभी चूस कर असलम अब उसकी जाँधें सहलाते हुए धीरे–धीरे नीचे होने लगा। पूरी तरह नीचे जा कर असलम अब नीता की टाँगें चाट कर ऊपर आने लगा। नीता ने

अपनी जाँघें बंद कर रखी थीं तो असलम वैसे ही उसकी जाँघें चाट कर नीता की चूत के तरफ़ बढ़ने लगा। नीता की चूत अपने पानी से पूरी गीली हो गयी थी।

नीता की टाँगों पे बैठ कर असलम ने नीता के दोनों पैर खोल कर फिर नीता की चूत हल्के से चूमी। अपनी चूत पे ज़िंदगी में पहली बार जीभ लगने से नीता के जिस्म में और भी सरसराहट फ़ैल गयी और अब नीता और भी ज़ोर से सिसकरियाँ भरते हुए मम्मे मसलने लगी। नीता को खुद अपने जिस्म से करती हर्कत को देख कर असलम ने मुस्कुराते हुए नीता के पैर थोड़े और खोल कर उसकी नंगी अनचुदी चूत का दर्शन किया। पूरी गीली गुलाबी चूत देख कर असलम से रहा नहीं गया और उसने अपना मुँह नीता की चूत पे रख कर एक लंबा किस दिया। असलम की इस अदा से नीता असलम का सिर अपनी चूत पे दबाते हुए उत्तेजना से चिल्ला उठी, "आहहहहहहहह असलम अंकल, उफ़्फ़्फ़्फ़्फ़्फ़्फ़्फ़्फ़ अहहहहहह आइसे ही चाटो अंकल मेरी चूत, बड़ा मज़ा आ रहा है।"

Hindi Fonts By: SINSEX

नीता की चूत को एक लंबा किस करके असलम ने सिर उठा कर कहा, "अरे नीता, तू देख आगे-आगे और क्या-क्या मज़ा देता हूँ तुझे। मेरी रूपा रंडी की बेटी, तुझे तो इतना मज़ा दूँगा कि तू हमेशा मेरे लौड़े के लिये बेताब रहेगी मेरी रंडी जान।" यह कहते हुए असलम ने नीता की टाँगें खोलीं और उसकी चूत सहला कर नीचे झुका और नीता की चूत चाटने लगा। असलम के चाटने के साथ नीता की सिसकरियाँ बढ़ रही थी। अपनी जीभ से नीता की चूत चाट कर, नीता की चूत का पूरा-पूरा मज़ा लेने के बाद नीता की चूत को अँगूली से खोल कर अपनी जीभ नीता की चूत में डाल कर, असलम जीभ से नीता की चूत चोदने लगा। असलम की ज़ुबान अब नीता की चूत के अंदर बाहर हो रही थी और नीता की चूत से जो रस निकल रहा था उसका असलम मज़ा लेने लगा।

नीता अब और भी ज़ोरों से सिस्करियाँ भरने लगी। अपनी कमर उठा कर, चूत असलम के मुँह पे रगड़ते हुए वो चिल्लाने लगी, "आआआआआआ ऊऊऊफ़्फ़्फ़्फ़, अंकल और चाटो, और अंदर डालो जीभ और मेरी चूत चोदो अपनी जीभ से। ऊफ़्फ़्फ़ अहहहहहहहह बड़ा मज़ा आ रहा है अंकल। अंकल और कुछ करो जिससे मुझे और मज़ा आये, कुछ भी करो पर और मज़ा दो मुझे।" नीता की सिसकरियाँ और बक-बक

HINDI FONTS BY: SINSEX

से ना जाने असलम को क्या हुआ। असलम नीता की चूत वैसे ही चाटते हुए कमर घुमा कर अब नीता के ऊपर आ गया। अब उसका मुँह नीता की चूत के पास था और उसका लंड नीता के मुँह पर था। अपनी जीभ नीता की चूत से निकाल कर असलम बोला, "तेरी माँ की चूत, मेरी रंडी नीता, और कुछ चाहिये ना तुझे? साली बहुत बक-बक कर रही है, बहुत चिल्ला रही है तू, तेरी बक-बक बंद करने के लिये ले मेरा लौड़ा चूस रंडी नीता।" जैसे ही नीता ने असलम का लंड पकड़ कर अपने मुँह में डाला, असलम भी नीता की चूत और ज़ोर-ज़ोर से चाटते हुए अपना लंड नीता के मुँह में अंदर-बाहर-अंदर-बाहर करके उसका मुँह चोदने लगा। अब एक साथ नीता का मुँह और चूत असलम चोद रहा था।

नीता अब असलम का लंड चूसने लगी, पहले आराम से, फिर ज़ोर ज़ोर से और अपनी कमर उठा कर अपनी चूत असलम के मुँह पे रगड़ने लगी। असलम भी बड़ी मस्ती से चूत को जीभ से चोद कर नीता को बेहाल कर रहा था। असलम का लंड खूब चूस कर नीता ने कमर उठाते हुए कहा, "हाआआआआयययययय अंकल और चाटो... और चाटो। हाँ मेरा मुँह चोदोओओओओ अंकल, उफ़्फ़्फ़्फ़्फ़्फ़्फ़ अब कुछ करो अंकल... मेरा बदन टूट रहा है, देखो कैसे काँप रहा है मेरा जिस्म... अंकल। प्लीज़ अब जैसे मम्मी को चोदा था वैसे मुझे चोदो, अब रहा नहीं जा रहा मुझसे।"

Hindi Fonts By: SINSEX

असलम ने नीता की गुहार सुनी पर उसे और तड़पाने के लिये नीता का मुँह अपने लंड से चोदते हुए, फिर नीता कि चूत में अपनी अँगूली डालकर उसे अंदर बाहर करके नीता की चूत चोदते हुए उसे और बेहाल करने लगा। असलम अब नीता का मुँह चोदते हुए चूत में अँगूली करने लगा जिससे नीता और तड़पने लगी। नीता से अब रहा नहीं गया, तो उसने धक्का दे कर असलम को अपने जिस्म से उतारा और फिर उससे लिपट कर तड़पते हुए बोली, "आहहहहहहह अंकल, प्लीज़ अब रहा नहीं जाता, प्लीज़ मुझे चोद डालो नहीं तो मैं अपने ही जिस्म की गर्मी में जल जाऊँगी, हाय राजा अब मत तड़पाओ।"

अब असलम ने और रुकना मुनासिब नहीं समझा। नीता को नीचे लिटा कर उसने, नीता की टाँगें खोलीं और एक हाथ उसकी चूत पे घुमाते हुए दूसरे से अपना खड़ा, कड़क, मोटा, गर्म लंड पकड़ कर नीता की चूत पे रख कर बोला, "चल नीता, अब तैयार हो

HINDI FONTS BY: SINSEX

HINDI FONTS BY: SINSEX

जा ज़िंदगी में पहली बार अपनी चूत चुदवाने के लिये। आज तेरी चूत फाड़ कर रखुँगा मेरी रंडी रूपा की चिकनी बेटी। देखें तुम माँ बेटी में कौन ज्यादा मस्ती से चुदवाती है।” नीता को पता था कि पहली चुदाई में दर्द होगा पर वो अब किसी भी दर्द के लिये तैयार थी । एक हाथ से खुद के मम्मे मसलते हुए उसने दूसरे हाथ से असलम का सिर नीचे झुकाया और वो असलम को किस करने लगी। अपना लौड़ा ठीक से नीता की चूत के मुँह पे रख कर असलम ने ज़ोर दिया। चूत का मुँह ज़रा सा खुला और असलम के लौड़े की टोपी आधी अंदर घुस गयी।

नीता ने आँखें बंद कर लीं और असलम का सीना सहलाने लगी। उस नंगी, कम्सिन लड़की को इस हालत में देख कर असलम को और गर्मी आ गयी और नीता की कमर पकड़ कर असलम बोला, "नीता, मेरी रंडी, मेरी रूपा राँड की मस्त बेटी, अब तैयार हो जा असलम से अपनी चूत की सील तुड़वा कर चुदाई की दुनिया में कदम रखने को। आज तेरी सील तोड़ कर तुझे लड़की से औरत बनाऊँगा मेरी जान।"

Hindi Fonts By: SINSEX

नीता की कमर कस कर पकड़ कर असलम ने लंड अंदर धकेला। अब चूत फ़ैला कर लंड की टोपी और एक–चौथाई लंड चूत में घुस गया। नीता ने दर्द से अपने होंठ दाँतों के नीचे दबा लिये और अब ज़रा घबराहट से असलम को देखने लगी। नीता की चूत को अपने लंड का एहसास देने के लिये असलम कुछ वक्त वैसे ही रहा और फिर अपनी कमर पीछे कर के, नीता को कस कर पकड़ कर पूरे ज़ोर से लंड चूत में घुसा दिया। इस हमले से असलम का लंड नीता की कम्सिन, अनचुदी चूत की सील की धज्जियाँ उड़ाते हुए पूरी रफ़्तार से घुस गया। असलम के इस हमले से दर्द के कारण नीता, असलम को अपने ऊपर से धकेलने की कोशिश करने लगी और अपनी चूत से असलम का लंड निकालने की नाकाम कोशिश करते हुए ज़ोर से चिल्ला उठी, "आहहहहहहहहह मैं मर गयीईईईईईई, उफ़्फ़्फ़्फ़्फ़्फ़्फ़्फ़्फ़्फ़्फ़्फ़ नहींईंईंईं, निकालो लंड मेरी चूत में से, मुझे नहीं करना कुछ।"

पर अब असलम कहाँ उसकी बात माननेवाला था? उसे बहुत दिनों बाद सील पैक लड़की मिली थी तो आज वो पूरा जानवर बन कर चोदने वाला था। नीता के तड़पने पर ज़रा भी ध्यान ना देते हुए, असलम ने नीता की कमर कस कर पकड़ी और फिर आधा लंड बाहर निकाल कर पूरी ताकत से चूत में घुसा दिया। इस बेरहम धक्के से नीता

HINDI FONTS BY: SINSEX

HINDI FONTS BY: SINSEX

करीब–करीब बेहोश ही हो गयी, पर यह देख कर असलम ज़रा रुका और नीता का एक निप्पल चूमते हुए प्यार से बोला, "आरे मेरी नीता रानी, अब तकलीफ वाला काम तो हो गया, ज़रा सब्र कर, दर्द अपने आप कम होगा और फिर तू भी मस्ती से मेरा लंड लेने लगेगी।" असलम के रुकने से नीता की जान में जान आयी। उसे अपनी चूत से खून बहने का एहसास हुआ और उसका पूरा जिस्म पसीने से गीला हो गया था। नीता कुछ बोलने की हालत में नहीं थी, वो सिर्फ़ अपना हाथ चूत के पास घुमाते हुए दर्द से भरी चूत को आराम देने की कोशिश कर रही थी। यह सिलसिला पाँच–दस मिनट चलता रहा जिसमें असलम नीता के मम्मे चूम रहा था, उसके जिस्म पे हाथ घुमा रहा था और नीता एक हाथ असलम के जिम्स पे घुमाती हुई दूसरे हाथ से अपनी चूत के पास सहला रही थी।

जब असलम को एहसास हुआ कि नीता की साँसें अब शाँत हो गयी हैं तो उसने हल्के से लंड दो–तीन बार आगे पीछे किया। पहले तो नीता दर्द से 'आहहहहह, ओहहहहह' कर रही थी पर जब और कुछ धक्कों के बाद नीता ने हल्की सी मुस्कुराहट के साथ असलम की तरफ़ देखा, तो असलम समझ गया कि नीता की चूत का दर्द अब खतम हो गया है। असलम ने लंड, टोपी तक बाहर निकाला और एक दम आराम से चूत में घुसा दिया। नीता की चूत ने जैसे असलम के पूरे लौड़े को लपेट कर अपने अंदर ले लिया। आठ–दस बार ऐसा करने पर नीता ने सिर उठा कर असलम को चूमते हुए कहा, "अंकल, अब दर्द नहीं हो रहा, अब करो जो करना है। मैं अब पूरी तरह तैयार हूँ आपसे अपनी चूत चुदवाने के लिये। आज पूरी मस्ती से अपनी रूपा रंडी की बेटी को चोदो असलम अंकल।"

नीता की बात सुन कर खुश हो कर असलम ने अपनी स्पीड ज़रा बढ़ाते हुए कहा, "अरे वाह नीता! बहुत जल्दी तेरा दर्द खतम हो गया, अब देख कैसे चोदता हूँ तुझे। अरे तेरी उस रंडी माँ से भी ज्यादा मज़ा मिलेगा तुझे क्योंकि तू कम्सिन माल है, तुझे चोदने में बड़ा मज़ा आयेगा मेरी जान।"

असलम अब मस्ती से नीता को चोदने लगा और नीता भी खुशी से चुदवा रही थी। इतने दिन उन हरामी लड़कों ने बहुत मसला था उसे, मम्मे खूब दबाये थे, चूत पे हाथ घुमाया था और उसे उनके लौड़े से खेलने में मज़ा भी आया था, पर चूत में लंड लेने

HINDI FONTS BY: SINSEX

HINDI FONTS BY: SINSEX

का मज़ा कुछ और ही था। असलम अंकल ने उसे क्या खूब गर्म किया था और अब चोद रहे थे। वो हरामी लड़के सिर्फ़ उसे गर्म करना जानते थे पर असलम अंकल को लड़की को गर्म करना और फिर उसे चोदना बराबार मालूम था। असलम के धक्कों से नीता का पूरा जिस्म हिल रहा था पर नीता खुशी–खुशी चुदवा रही थी।

नीता चुदाई का मज़ा ले रही है... यह देख, असलम ने उसे तड़पाना चाहा और अपने लंड की टोपी अंदर रख कर बाकी लंड बाहर निकाल लिया। नीता असलम के लौड़े के अगले धक्के के लिये तैयार थी पर असलम उसे देख कर मुस्कुराता हुआ वैसे ही रुका रहा। असलम की शरारत समझ कर नीता ने खुद अपनी कमर उठायी और असलम का लंड अपनी चूत में घुसवा लिया और झूठे गुस्से से असलम के सीने पर मुट्ठी से दो–तीन बार मारा।

नीता की इस अदा पर असलम बड़ा खुश हुआ और कस कर नीता को दबोच कर लंड पूरे ज़ोरों से उसकी चूत में घुसा कर, उसे चोदते हुए बोला, "उम्म बहुत मज़ेदार हो तुम मेरी रानी, इतनी बेसब्री से तेरी माँ भी मेरा लौड़ा नहीं लेती। साली तुझे पहली बार चोद रहा हूँ पर अभी तक जो मज़ा मुझे मिला है वैसा मज़ा किसी को भी चोदने में नहीं आया था। साली तुझे खूब चोदूँगा मैं नीता, अब तो तुझे अपने घर ले जा कर चोदूँगा।" असलम अब बड़ी तेज़ रफ़तार से नीता को चोद रहा था। नीता भी असलम को पूरा सहयोग दे रही थी। असलम का लौड़ा अपनी चूत में पूरा अंदर लेते हुए असलम को बांहों में भर कर वो बोली, "हाँ अंकल, आज से मैं आपकी हूँ। आप जब कहोगे मैं आपके घर आऊँगी क्योंकि अब मम्मी का भी डर नहीं। मुझे भी आप जैसे माहिर मर्द के साथ चुदवाने में मज़ा आयेगा। हाँ असलम अंकल, ऊऊऊऊऊफ्फ्फ आप तो मुझे जन्नत दिखा रहे हो, और चोदो, और ज़ोर से चोदो मुझे अंकल। फाड़ डालो मेरी चूत असलम अंकल।"

चुदाई का शबाब अब पूरे ज़ोरों पर था। दोनों एक दूसरे को पूरा सह्योग देते हुए चुदाई का मज़ा ले रहे थे। असलम पूरा का पूरा लौड़ा चूत में घुसा कर नीता को बहुत ज़ोर से चोदते हुए बोला, "नहीं मेरी जान, मैंने तुझे जन्नत नहीं दिखायी बल्कि जन्नत तो तूने मुझे दिखायी है। मेरे लिये जन्नत कहीं और नहीं... तेरी चूत में है, अल्लाह का शुक्र है जिसने मुझे तेरी चूत चोदने का मौका दिया और जिस वजह से मुझे जन्नत का दर्शन

HINDI FONTS BY: SINSEX

HINDI FONTS BY: SINSEX

हुआ।"

नीता ने असलम के होंठ चूमते हुए कहा, "ओहहह अंकल, कितना मज़ा आ रहा है मुझे आपसे चुदवा कर। अंकल अब मुझे कभी मत छोड़ कर जाना, मैं अब आपके बिना नहीं रह सकती हूँ।" जवाब में असलम नीता को बहुत दबा कर ज़ोर ज़ोर से चोदते हुए और साथ–साथ उसकी चूचियाँ भी चूसते बोला, "नहीं मेरी जान... मैं तुम्हें कभी नहीं छोड़ूँगा, हमेशा इसी तरह चोदूँगा, मेरी जान।"

काफी वक्त यह चुदाई का सिलसिला चलता रहा जिसमें नीता दो बार झड़ गयी पर असलम के तगड़े लौड़े ने उसे फिर चुदवाने के लिये मजबूर कर दिया। पर अब असलम का वक्त आया था। असलम ने ये नीता को बताया और नीता ज़िंदगी में पहली बार अपनी चूत में किसी मर्द के लौड़े का पानी लेने को तैयार हुई। नीता को कस कर दबोचते हुए, उसका एक निप्पल चूसते हुए असलम बेरहमी से चोदने लगा। जैसे ही असलम झड़ने लगा, उसने अपना लंड नीता की चूत में दबाया और वैसे ही दबा कर रख कर झड़ने लगा। नीता ने भी अपनी चूत असलम के लंड पे दबा रही थी। नीता की कम्सिन चूत, असलम के गर्म पानी से भरने लगी। दोनों ने एक दूसरे को कस कर पकड़ रखा था।

Hindi Fonts By:
SINSEX

जब तूफ़ान शाँत हुआ तो दोनों ढीले पड़ गये। दोनों के जिस्म पसीने से लथपथ थे। धीरे–धीरे साँसें शाँत होने लगी। वो एक दूसरे से कुछ बोल नहीं रहे थे... बस हल्के किस करते हुए एक दूसरे का जिस्म सहला रहे थे। फिर असलम ने अपना लंड नीता की चूत से निकाला और अपने बनियान से नीता की चूत साफ़ करके अपना लंड साफ़ किया। नीता दर्द से खड़ी भी नहीं हो पा रही थी तो असलम उसे खड़ा करके बाथरूम ले गया और गर्म पानी से उसकी चूत सेंकी।

दोनों आ कर हॉल में बैठे तो असलम ने नीता द्वारा पहनी उसकी शॉर्ट्स उठा कर उसको देते हुए कहा, "नीता यह शॉर्ट्स पे दाग कैसे... तू पूछ रही थी ना, तो सुन, जब तेरा बाप घर पर होता है तब तेरी माँ मेरा लौड़ा चूसती थी। एक–दो बार ऐसा हुआ कि ठीक झड़ने के वक्त तेरे बाप की आहट सुनने से तेरी माँ लौड़ा चोड़ देती और मैं लंड शॉर्ट्स में डालने की कोशिश करता पर तब तक लंड झड़ जाता था। तेरी माँ भी इतनी

HINDI FONTS BY: SINSEX

HINDI FONTS BY: SINSEX

चुदक्कड़ है कि मुझे कहा कि जब मैं शॉर्ट्स में झड़ जाऊँ तब मैं शॉर्ट्स ना धोऊँ ताकि बाद में तेरी माँ मेरी शॉर्ट्स चाट सके और इसी वजह से यह दाग है।" अपनी माँ की करतूत सुन कर नीता भी खुश हुई और उसने असलम कि शॉर्ट्स पहन ली पर ऊपर नंगी ही थी।

करीब आधे घंटे बाद रूपा घर आयी। दरवाजा खोल कर उसने देखा कि असलम और नीता दोनों शॉर्ट्स में बैठे बातें कर रहे थे। रूपा समझ गयी कि असलम ने नीता का काम तमाम कर दिया था। जैसे ही रूपा उनके पास आयी, असलम ने उसे खिंच कर अपनी गोद में ले लिया और चुमने लगा। माँ-बेटी के सामने एक दूसरे का राज़ खुल गया था इसलिये दोनों बेशर्म बनी रहीं। रूपा को चूमने के बाद असलम उनके बीच में बैठ गया और माँ-बेटी के मम्मों से खेलते हुए बोला, "रूपा अब तुझे और नीता को तो चोद डाला पर तेरी वो दूसरे बेटी और मेरी नीता जान की जुड़वाँ बहन को कब और कैसे चोदूँगा?"

Hindi Fonts By: SINSEX

रूपा के कुछ जवाब देने के पहले नीता ने असलम का लंड पकड़ते हुए कहा, "असलम अंकल, श्वेता को घर आने में अभी २ महीने हैं, तब तक हम कोई प्लैन सोच लेंगे। लेकिन तब तक आप हमें चोदो ना, श्वेता जब आयेगी तब देखेंगे क्या करना है।"

नीता की हर्कत पर खुश हो कर असलम ने उसे बांहों में ले लिया और माँ-बेटी के साथ खेलने लगा।

HINDI FONTS BY: SINSEX